''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

समाचार गेट

TITLE CODE : HARHIN11569

वर्ष 01, | अंक 260 | पृष्ठ 08 | मूल्य 01 रूपए | वीरवार, 05 दिसंबर 2024 | samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान हित में उठाए मजबूत कदम : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री ने कहा-अब किसानों को मिलता है फसल खराब होने पर पूरा मुआवजा, कांग्रेस सरकार में मिलते थे महज 5 और 10 रुपये

समाचार गेट/ब्यूरो

नई दिल्ली। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किसान हित में व्यापक काम किए हैं। किसानों को योजनाओं का लाभ मिला है। बीती रात मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ से नई दिल्ली तक शताब्दी ट्रेन में सफर के उपरांत नई दिल्ली में रेलवे स्टेशन पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किसानों के कल्याण में केवल अनेक योजनाओं को लागू किया है, उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत करने का काम किया है। किसानों को किसान सम्मान निधि के तहत 6000 रुपये वार्षिक मदद दी जा रही है। इससे किसानों को बीज, खाद खरीदने में मदद मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने पहले यह दुष्प्रचार किया कि फसलों पर एमएसपी बंद हो जाएगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ, बल्कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने फसलों की एमएसपी को बढ़ाने का काम किया है। कांग्रेस के राज में किसानों को फसलों की जो एमएसपी दी जा रही थी, वह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के शासन काल में डेढ़ गुना ज्यादा कर दी गई है। इसके साथ-साथ आज प्रदेश सरकार न केवल किसानों को एमएसपी का भाव दे रही है बल्कि फसल का एक-एक दाना भी खरीद रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान की फसल के खराब होने पर कांग्रेस के राज में कोई सुनवाई नहीं थी। किसानों को मुआवजे के रूप में महज 5 से 10 रुपये मिलते थे। अब हमारी सरकार में किसानों को फसलों के खराब होने पर पूरा मुआवजा दिया जाता है।

श्री सैनी ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले जितनी भूमि पर फसल होती थी, अब प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत डेढ़ गुना भूमि में अब ज्यादा सिंचाई की जा रही है। ज्यादा क्षेत्रफल तक सिंचाई की सुविधा देने से किसान की पैदावार बढ़ाने का काम भाजपा सरकार ने किया है।

प्रदेश में वर्ष 2014 के बाद धान, गेहूं व अन्य फसलों का क्षेत्रफल बढ़ा है। इसके साथ-साथ फसलों की पैदावार और किसानों की आमदनी भी बढ़ी है।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तैयारी को लेकर पूर्व सांसद व प्रशासनिक अधिकारियों ने किया कार्यक्रम स्थल का दौरा

बैठक में अधिकारियों की लगाई विशेष जिम्मेदारियां

मीडिया के लिए अलग से मीडिया सेंटर व गैलरी होगी स्थापित

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 दिसंबर के प्रस्तावित कार्यक्रम के दृष्टिगत पूर्व सांसद संजय भाटिया और उपायुक्त डॉक्टर वीरेंद्र कुमार दहिया ने जिला सचिवालय के सभागार में बुधवार को विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों और एलआईसी के अधिकारियों के साथ मंत्रणा की और व्यवस्थाओं के बारे में जायजा लिया।

इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी की महामंत्री डॉ अर्चना गुप्ता भी उपस्थित रही। उपायुक्त डॉक्टर वीरेंद्र कुमार दहिया ने बताया कि कार्यक्रम में एंट्री के लिए विभिन्न अधिकृत पास जारी किए जाएंगे जिसके माध्यम से कार्यक्रम में एंट्री होगी। कार्यक्रम स्थल ओर 28 ब्लॉक बनाए गए हैं। मीडिया के लिए मीडिया सेंटर और मीडिया गैलरी भी स्थापित की जा रही है। उन्होंने एलआईसी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह शहर में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रमों से संबंधित होलडिंग लगाना भी सुनिश्चित करें और मुख्यालय से आने वाले उच्च अधिकारियों की लिस्ट भी जिला प्रशासन को सौंप दें ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। कार्यक्रम में सुरक्षा की दृष्टि से आवागमन को बेहतर बनाने के लिए एचसीएस और डीएसपी स्तर के अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके साथ-साथ विभिन्न ड्यूटी मजिस्ट्रेट भी नियुक्त किए जाएंगे।

बैठक के बाद पूर्व सांसद संजय भाटिया ने एडीसी डॉक्टर पंकज कुमार व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ विभिन्न विभाग का अध्यक्षों के साथ कार्यक्रम स्थल का दौरा किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट, एडीसी डॉक्टर पंकज यादव,सीईओ जिला परिषद नरेंद्र पाल मलिक एसडीएम पानीपत ब्रह्म प्रकाश, एमडी शुगर मिल मनदीप कुमार,एसडीएम समालखा अमित कुमार सहित विभिन्न प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा महामंत्री अर्चना गुप्ता ने सेल्फ हेल्प ग्रुप महिलाओं के साथ बैठक की

भारतीय जनता पार्टी की महामंत्री डॉ अर्चना गुप्ता ने जिले की सेल्फ हेल्प ग्रुप महिलाओं की बैठक लेने के साथ-साथ भाजपा के प्रदेश महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं की बैठक भी ली। महामंत्री अर्चना गुप्ता ने प्रधानमंत्री के प्रस्तावित 9 दिसंबर के कार्यक्रम को लेकर व्यवस्था से लेकर प्रचार आदि तक सभी विषयों पर बारीकी से कार्यकर्ताओं को विस्तार से समझाया।

प्रदेश भाजपा महामंत्री अर्चना गुप्ता ने जीवन सखी योजना के बारे में ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को सरल शब्दों में समझने की अपील करते हुए कहा कि 9 दिसंबर को हरियाणा में अब तक का महिलाओं का यह सबसे बड़ा पानीपत का कार्यक्रम होगा।

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज करेंगे उद्घाटन

प्रशासन ने कार्यक्रमों की तैयारियां की पूरी, अंतर्राष्ट्रीय गीता सेमिनार, ओडिशा पवेलियन, हरियाणा पवेलियन और जनसंपर्क विभाग की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का होगा उद्घाटन

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, केरल के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान व जांजीबार के सांस्कृतिक मंत्री के आगमन को लेकर सुरक्षा-व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

इस संबंध में जानकारी देते हुए एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 का आगाज 5 दिसंबर को करेंगे। इसके साथ-साथ मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, केरल के राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खान, जांजीबार और ओडिसा के सांस्कृतिक मंत्री, ब्रह्मसरोवर पुरुषोत्तमपुरा बाग में हरियाणा पवेलियन, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति कार्य विभाग की राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन भी करेंगे और महापूजन व महाआरती में शिरकत करेंगे।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि केरल के राज्यपाल, हरियाणा के राज्यपाल, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज, स्वदेशी जागरण मंच के सतीश कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम हॉल कार्यक्रम स्थल पर 5 दिसंबर को सुबह 11 बजे पहुंचेंगे और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ करेंगे। उन्होंने बताया कि इस महोत्सव के मुख्य कार्यक्रमों का आगाज 5 दिसंबर को हो जाएगा। इस महोत्सव में 5 से 11 दिसंबर तक पुरुषोत्तमपुरा बाग में रोजाना सांयकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। इस दौरान 5 दिसंबर को पुरुषोत्तमपुरा बाग में गीता यज्ञ, 5 दिसंबर से 7 दिसंबर तक अंतर्राष्ट्रीय गीता सेमिनार, 5 दिसंबर से 11 दिसंबर तक कला एवं संस्कृति विभाग तथा एनजेडसीसी पटियाला व केडीबी की तरफ से सुबह के समय सांस्कृतिक कार्यक्रम, 5 दिसंबर से 11 दिसंबर तक कला एवं संस्कृति विभाग तथा एनजैडसीसी पटियाला व केडीबी की तरफ से सायं के समय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

सरकार कर रही है लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन : कुमारी सैलजा

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। भाजपा सरकार का लोकतंत्र में विश्वास नहीं है। सरकार लगातार लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। लगातार लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को उत्तर प्रदेश के संभल में जाने से रोकना साबित करता है कि भाजपा की सरकार तानाशाह बन गई है। यह बात अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने आज एक बयान में कही। सिरसा सांसद ने कहा कि राहुल गांधी न सिर्फ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता है बल्कि एक चुने हुए सांसद तथा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। नेता प्रतिपक्ष का पद एक संवैधानिक पद होता है। आज राहुल गांधी उत्तर प्रदेश के संभल में हिंसा से पीड़ित लोगों से मिलने जा रहे थे। उनके साथ सांसद प्रियंका गांधी तथा कांग्रेस के अन्य नेता भी थे। पुलिस ने उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार के इशारे पर राहुल गांधी व प्रियंका गांधी को गाजीपुर बॉर्डर पर ही रोक दिया ताकि राहुल गांधी संभल न जा सके। कुमारी सैलजा ने कहा कि संभल की हिंसा भी सरकार की एक सुनियोजित नीति लगती है। इसलिए राहुल गांधी को रोका जा रहा है ताकि सरकार की नाकामी उजागर न हो सके। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इसी देश के नागरिक है। वे देश में कहीं भी आने-जाने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन उत्तर प्रदेश की सरकार कानून व लोकतंत्र से अपने आप को ऊपर समझती है। उन्होंने सवाल करते हुए पूछा कि आखिर संभल में ऐसे कौन से राज हैं जिन्हें वहां की सरकार छुपाना चाहती है। क्या सरकार को यह डर सता रहा है कि नेता प्रतिपक्ष संभल चले जाएंगे तो सरकार की नाकामी सामने आ जाएगी। उन्होंने कहा कि संभल हिंसा सीधे-सीधे उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार की नाकामियों को दर्शाती है। भाजपा सरकार हिंदू-मुसलिम करके देश को बांटने का एक षड्यंत्र कर रही है। दंगा करवाना भाजपा की नीति रही है। दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी है जो शांति व सदभाव में यकीन करती है। राहुल गांधी हिंसा से पीड़ितों का दर्द साझा करना चाहते हैं। वे पीड़ितों का हाल जानना चाहते हैं। इसलिए वे आज संभल जा रहे थे, लेकिन भाजपा सरकार को यह मंजूर नहीं है कि कोई कांग्रेस नेता पीड़ितों से मिलकर उनका दुख-दर्द बांट सके। उनकी मदद कर सके। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को अपनी हठधर्मिता छोड़कर राहुल गांधी को संभल जाने की अनुमति देनी चाहिए ताकि हिंसा की हकीकत जनता के सामने आ सके।

कर्म, भक्ति और ज्ञान का संगम नजर आएगा गीता महोत्सव में 9 से 11 तक : डीसी

11 दिसंबर को जिलावासी अपने घरों में मनाएं दीप उत्सव

तीन दिवसीय गीता महोत्सव की तैयारियों को लेकर डीसी ने की अधिकारियों, सामाजिक, धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों संग बैठक

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव की श्रृंखला में एक बार फिर कर्म, भक्ति और ज्ञान का संगम 9 से 11 दिसम्बर तक जिला स्तरीय गीता महोत्सव में नजर आएगा। जिला फरीदाबाद के सेक्टर-12 स्थित हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) कन्वेंशन हॉल में 9 से 11 दिसंबर 2024 तक तीन दिवसीय जिला स्तरीय गीता महोत्सव के लिए प्रशासन की ओर से तैयारियां आरंभ कर दी गई हैं जिसमें जिला की धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं का सहयोग भी लिया जाएगा। डीसी विक्रम सिंह ने बुधवार को प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही शहर की धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों की बैठक ली और महोत्सव को गरिमामयी ढंग से मनाने की रूपरेखा तैयार की गई। डीसी ने सभी से कहा कि गीता महोत्सव के सफल आयोजन के लिए समर्पण भाव से जिला प्रशासन का आप सहयोग करें।

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि गीता महोत्सव प्रेरणादायी होने के साथ-साथ भव्य और आकर्षक भी होगा। उन्होंने कहा कि तीन दिन तक चलने वाले गीता महोत्सव के दौरान तीनों दिन विभिन्न विभागों व सामाजिक संगठनों द्वारा प्रदर्शनी लगाई जाएगी। प्रदर्शनी के माध्यम से विभागों द्वारा सरकार की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी, ताकि अधिक से अधिक पात्र लोग सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। तीनों दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा, जिसमें शिक्षण संस्थान के विद्यार्थियों के अलावा स्थानीय लोक कलाकार भी अपनी प्रस्तुति देंगे।

डीसी ने कहा कि गीता महोत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही तीन दिन के दौरान गीता पूजन हवन, सेमिनार का आयोजन होगा, जिसमें वक्ता गीता के महत्व पर अपने व्याख्यान देंगे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ स्कूली बच्चों द्वारा गीता का श्लोकोच्चारण किया जाएगा। इसके अलावा अंतिम दिन नगर शोभा यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें गीता पर आधारित झांकियां शामिल होंगी। नगर शोभा यात्रा में धार्मिक व सामाजिक संस्थाएं भी गीता पर आधारित अपनी झांकी शामिल करेंगी। उन्होंने शहर की सभी धार्मिक, मन्दिर व सामाजिक संस्थाओं से गीता महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम भगवान श्रीकृष्ण लीला और गीता पर आधारित होंगे।

जिला वासी बनेंगे ग्लोबल श्लोकोच्चारण में भागीदार :

डीसी ने बताया कि 11 दिसम्बर को जिला फरीदाबाद वासी एक साथ दोपहर 12 बजे से ग्लोबल श्लोकोच्चारण में भागीदार बनेंगे। उन्होंने बताया कि गीता महोत्सव के दौरान महोत्सव स्थल पर जहां हजारों विद्यार्थी श्लोकोच्चारण करते हुए गीता महोत्सव को गरिमामयी ढंग से मनाने में सहभागी बनेंगे वहीं जिला के सभी शिक्षण संस्थान से हर वर्ग इस पुनीत अभियान का हिस्सा बनेंगे।

कार्यक्रम के लिए नियुक्त किए गए नोडल अधिकारी

फरीदाबाद सेक्टर 12 में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय गीता महोत्सव के सफल आयोजन के लिए डीसी विक्रम सिंह द्वारा। व्यवस्था प्रबंधन हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं। गीता महोत्सव के ओवर ऑल इंचार्ज अतिरिक्त उपायुक्त साहिल गुप्ता रहेंगे। मुख्य हाल के कर्यक्रम सेमीनार व मंच व्यवस्था के लिए ओवर ऑल इंचार्ज एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज, प्रदर्शनी, स्टाल के ओवरआल इंचार्ज एसडीएम बड़खल अमित मान, नगर शोभा यात्रा की ओवरआल इंचार्ज एसडीएम फरीदाबाद शिखा नियुक्त की गयी। इसके साथ ही हवन आयोजन व श्लोक व्यवस्था के ओवरआल इंचार्ज नगर निगम ओल्ड के संयुक्त आयुक्त सुमित कुमार, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कार्यक्रम स्थल की साज-सज्जा व अतिथियों के बैठने की व्यवस्था नगर निगम ग्रेटर की संयुक्त आयुक्त द्विजा, जिला शिक्षा उच्च अधिकारी सुनिधि और जिला शिक्षा अधिकारी अजित सिंह की देखरेख में होगी। डीसी विक्रम सिंह ने आमजन से अपील की कि सभी जिलावासी तीन दिवसीय गीता महोत्सव में अधिक से अधिक भागीदारी करना सुनिश्चित करें और 11 दिसंबर को सभी ग्राम पंचायतों और जिलावासी शाम को घरों में दीपोत्सव उत्साह के साथ मनाएं।

यह रहे मौजूद :

बैठक में एडीसी साहिल गुप्ता, डीसीपी ट्रैफिक जसलीन कौर, डीसीपी सेंट्रल उषा, एसडीएम फरीदाबाद शिखा, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज, एसडीएम बड़खल अमित मान, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह, सीटीएम अंकित कुमार, ईओ एसएचवीपी सिद्धार्थ दहिया सहित विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

डीसी विश्राम कुमार मीणा ने समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनी, त्वरित समाधान के दिए निर्देश

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बुधवार को आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनी। कांफ्रेंस हॉल में आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में नागरिक विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें लेकर पहुंचे। उपायुक्त ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। जिले में विभिन्न स्तरों पर आयोजित समाधान शिविरों में 09 शिकायतें दर्ज की गईं।

उपायुक्त ने कहा कि समाधान शिविर जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रदेश सरकार की अनुकरणीय पहल है। शिविर न केवल प्रशासनिक पारदर्शिता का प्रतीक बन गए हैं, बल्कि जनता और अधिकारियों के बीच संवाद का

सशक्त माध्यम बन गए हैं। उन्होंने कहा कि शिविर का मुख्य उद्देश्य जनता की शिकायतों को प्राथमिकता से सुनना और मौके पर ही समाधान प्रदान करते हुए नागरिकों को राहत पहुंचाना है। समाधान शिविर के माध्यम से लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों से संबंधित सेवाएं व जानकारी प्राप्त होती है। समाधान शिविरों से जन समस्याओं का समाधान होने के साथ-साथ सरकारी योजनाओं तक पहुंच भी अधिक प्रभावी बनती है।

बुधवार को जिला स्तर पर आयोजित फसल बीमा योजना के मामलों में शिकायतें दर्ज की गई, जिसमें फसल बीमा योजना का लाभ लेने, अवैध कब्जे हटाने, सड़क निर्माण, भू-अभिलेख दुरुस्त करने, जल कनेक्शन बिल दुरुस्त करने आदि शामिल है। इसके शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा नगर परिषद नूंह , जिले की सभी नगर पालिकों में भी समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। समाधान शिविर का सकारात्मक प्रभाव समाधान शिविर का समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। नागरिक इस आयोजन की सराहना कर रहे हैं तथा आए दिन शिविरों में अपनी शिकायतों का समाधान पा रहे हैं। शिविर आयोजन जैसे महत्वपूर्ण प्रयासों से प्रशासन की कार्यकुशलता व जिम्मेदारी भी बढ़ती है। इस प्रयास से न केवल शासन-प्रशासन में आमजन का विश्वास बढ़ रहा है, बल्कि यह सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समाधान शिविर का मतलब है मौके पर ही समस्याओं का निदान उपायुक्त द्वारा समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है।

नि:शुल्क हृदय जाँच शिविर व स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन रविवार 15 को

समाचार गेट/सुमित गोयल

बल्लभगढ़। श्री लखदातार सेवा ट्रस्ट रजि० बल्लबगढ़ द्वारा व स्स्कअस्पताल के सहयोग से विशाल नि:शुल्क हृदय जाँच शिविर व स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन रविवार 15 दिसंबर 2024 को सुबह 8:00 बजे अग्रवाल पबलिक स्कूल, मेंन बाजार, बल्लभगढ़ के प्रांगण में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें हृदय रोग, महिला रोग व बच्चों के रोग व अन्य रोगियों की स्स्कअस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टरों द्वारा नि:शुल्क जाँच की जाएगी व परामर्श दिया जायेगा, जिसमें रोगियों कि बी.पी. शुगर व ई.सी.जी. की नि:शुल्क जाँच भी की जाएगी।

हिंदी दैनिक अखबार समाचार गेट की ओर से दीपक मंगला जी और मोनिका मंगला जी को शादी की सालगिरह की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

अपनी शादी, जन्मदिन और विवाह की वर्षगांठ की फोटो हमें भेजें। नोट : मेल में नाम, पता और मोबाईल नंबर जरूर लिखें।

samachargate@gmail.com

प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक टोल फ्री नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112, 100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

जानकारी

क्यों आते हैं खर्राटे?

दिनभर की भागदौड़ के बाद रात को जब बिस्तर पर सोने जाते हैं, तो खर्राटे आपको सोने नहीं देते, लेकिन आप यह सोचते हैं कि आपको तो खर्राटे आते ही नहीं। पर यह बात आपको कोई दूसरा ही बता सकता है। खर्राटों से हैं परेशान तो ऐसे करें इलाज, जानें क्यों आते हैं?

खर्राटों से हैं परेशान तो ऐसे करें समाधान

समय पर न सोने की वजह से भी आ सकते हैं खर्राटे। बढ़ता वजन भी खर्राटे की वजह बनता है। अनहेल्दी लाइफस्टाइल से भी खर्राटे आते हैं दिनभर की भागदौड़ के बाद रात को जब बिस्तर पर सोने जाते हैं, तो खर्राटे आपको सोने नहीं देते, लेकिन आप यह सोचते हैं कि आपको तो खर्राटे आते ही नहीं। पर यह बात आपको कोई दूसरा ही बता सकता है। दिन भर की थकान या और भी कई दूसरे कारण खर्राटों की समस्या को पैदा कर देते हैं। क्या आपने भी अपने खर्राटों से दूसरों की नींद खराब कर रखी है या किसी के खर्राटों से रोजाना आपकी नींद खराब हो रही है, तो नीचे दिए गए इन टिप्स को अपनाएं, लेकिन उससे पहले जानें कि खर्राटों की इतनी अजीबो-गरीब आवाजें आती क्यों हैं? इसका कारण (Snoring Causes) है आपके शरीर को ऑक्सिजन पहुंचाने वालों रास्तो का संकरा होना। इसमें आपके गले का पिछला हिस्सा संकरा हो जाता है, इस वजह से ऑक्सिजन संकरी जगह से होती हुई शरीर में पहुंचती है, जिससे आसपास के टिशू वाइब्रेट होते हैं और इससे आवाजें निकलती हैं।

इन 5 तरीकों से जानें कैसे रोकें खर्राटे?

वजन कम करके

कभी-कभार गले में चर्बी के बढ़ने की वजह से भी खर्राटे आते हैं, क्योंकि इससे गले के जरिए शरीर में जाने वाली हवा गले के टिशू में कंपन पैदा करती है।

शराब न पीकर

कई लोगों को शराब की वजह से भी खर्राटे आते हैं। इसीलिए सोने के दो से तीन घंटों पहले शराब न पिएं।

समय पर नींद लेकर

बेवक्त सोने वाले लोगों में भी खर्राटे लेने की समस्या होती है, इसीलिए रोजाना सही वक्त और 7 से 8 घंटों की नींद लेनी चाहिए।

दमा और सर्दी ठीक करके

अस्थमा और सर्दी से परेशान लोगों को भी खर्राटे की परेशानी होती है, क्योंकि उनकी स्वास नली संकरी हो जाती है जिससे गले से आवाजें आती हैं।

स्वस्थ लाइफस्टाइल अपनाकर

खराब डेली लाइफ की वजह से भी खर्राटों की परेशानी होती है। बेवक्त खाना-पीना, ठीक से आराम न करना, सिगरेट आदि भी खर्राटों की वजह बनते हैं।

मेलेनोमा कैंसर के बड़े कारणों के पीछे जीन्स भी हैं जिम्मेदार

शोध में हुआ खुलासा

मेलेनोमा एक प्रकार का कैंसर है, जो बोन मेरो के प्लाज्मा सेल्स में विकसित होता है। मेलेनोमा को मैलीगनेंट (घातक) मेलेनोमा भी कहा जाता हैं। मेलेनोमा का प्राथमिक कारण सूर्य के किरणों के साथ आने वाले यूवी रेज हैं। पर शोधकर्ताओं की मानें तो, 22 प्रकार के अलग-अलग जीन हैं, जो यह निर्धारित करने में मदद करते हैं कि किसी व्यक्ति में मेलेनोमा होने के पीछे कितना यूवी रेज का हाथ है। दरअसल जब सूर्य से आने वाली परबैंगनी प्रकाश (यूवी रेंज) त्वचा के निम्न-स्तर वाले सेल्स पर पड़ती हैं, तो मेलेनोमा खतरा बढ़ जाता है। यूवी प्रकाश या तो सूर्य से या फिर अन्य टैनिंग स्त्रोतों से आ सकता है। इसी को लेकर शोध में कहा गया है कि मेलेनोमा किसी को सिर्फ यूवी रेज के कारण नहीं होता है, बल्कि इसके पीछे कुछ अनुवांशिक कारण भी हैं। आइए हम आपको बताते हैं इस शोध के बारे में।

क्या कहता है शोध?

ब्रिटिश जर्नल, जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी में प्रकाशित इस शोध की मानें, तो लोगों के जीन इस बात को तय करते हैं कि वे कितने यूवी सेंसिटिव हैं। शोध में कहा गया है कि जिन लोगों को मेलेनोमा कैंसर हुआ है, उसके एक कारणों में उनकी आनुवंशिकी यानी कि जीन फेक्टर भी शामिल हैं। मेलेनोमा के जोखिम वाले लोगों के लिए, बचपन से ही सूर्य की किरणों के प्रति सेंसिटिव होना एक मजबूत कारणों में से एक है। ऑस्ट्रेलिया में दुनिया में त्वचा कैंसर की दर सबसे अधिक है। हर साल 12,000 से अधिक ऑस्ट्रेलियाई लोगों को आक्रामक मेलेनोमा का निदान किया जाता है, जो बीमारी का सबसे घातक रूप में होते हैं। क्यूआईएमआर बरगॉफर मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट के कैंसर नियंत्रण समूह के प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर डेविड व्हिटमैन ने कहा कि अवधारणा को अच्छी तरह से समझने के लिए, अध्ययन में त्वचा कैंसर के सबसे बड़े अनुवांशिक अध्ययन क्यूस्किन के डेटा का उपयोग किया गया, ताकि यह पता लगाया जा सके कि जीन और सूर्य के संपर्क ने एक व्यक्ति को कैसे प्रभावित किया। व्हिटमैन ने कहा कि अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि जीन से प्रभावित लोग त्वचा कैंसर के शिकार ज्यादा होते हैं, क्योंकि ऐसे लोग बचपन से ही ऑस्ट्रेलिया के धूप जलवायु के जोखिम को संभाल नहीं पाते, इसलिए मेलेनोमा के शिकार हो जाते हैं।

मेलेनोमा के जोखिम को बढ़ाने वाले अन्य कारकों में शामिल हैं

- **गोरी त्वचा-** अगर आपकी त्वजा गोरी है, तो आप मेलेनोमा को विकसित करने की अधिक संभावना रखते हैं, उनकी तुलना में जो ड्राक शेड्स के हैं। मेलेनोमा गहरे रंग के लोगों में भी विकसित हो सकता है, जिसमें हिस्पैनिक -लोग और काले लोग भी शामिल हैं।
- **सनबर्न का इतिहास-** एक या एक से अधिक गंभीर ब्लिस्टरिंग सनबर्न आपके मेलेनोमा के जोखिम को बढ़ा सकते हैं।
- यूवी रेज का जोखिम
- भूमध्य रेखा के करीब या अधिक ऊंचाई पर रहना
- मेलेनोमा का एक पारिवारिक इतिहास

गर्म जगहों पर पैदा होने वालों में 50 प्रतिशत बढ़ जाता है मेलानोमा का खतरा

शोधकर्ताओं की मानें, तो लोगों में आनुवांशिक कारण से मेलानोमा का खतरा 50 प्रतिशत बढ़ जाता है। ऐसे में ये लोग भले ही बहुत देर तक धूप में न रहते हों पर इनके जीन सूर्य की किरणों के प्रति सेंसिटिव है, इसलिए इन्हें मेलेनोमा कैंसर हो सकता है। शोध में कहा गया है कि कुछ आंकड़ों से पता चलता है कि जो लोग गर्म जगह में पैदा होते हैं और बड़े होते हैं, उनमें मेलानोमा का खतरा 50 प्रतिशत बढ़ जाता है, जबकि जो लोग वयस्कों के रूप में ऑस्ट्रेलिया में पलायन करते हैं, जिनके जीन समान होते हैं, उनमें घातक बीमारी विकसित होने की संभावना कम होती है। शोध में इस बात की भी पुष्टि हुई है कि लगभग 20 साल की उम्र तक यूवी रेज के ज्यादा संपर्क में रहना उच्च आनुवांशिक जोखिम वाले लोगों के लिए विशेष रूप से खतरनाक है, क्योंकि यह मेलानोमा को ट्रिगर करता है और ऐसे लोग एक उम्र में जाकर मेलेनोमा के शिकार हो जाते हैं।

सेहत

तेजी से लोकप्रिय हो रही घी कॉफी, जानिए इसके फायदे

प्राचीन काल से घी का उपयोग भारतीय व्यंजनों और आयुर्वेदिक चिकित्सा में किया जाता है। कॉफी में घी डालने से इसके गुण कई गुना बढ़ जाते हैं। जैसे - यह वजन घटाने में मदद करता हैं। बटर कॉफी की तुलना में घी कॉफी बहुत अधिक पौष्टिक और मीठी मानी जाती है।

जानिए घी कॉफी के फायदे

एसिडिटी से राहत: बहुत से लोगों को खाली पेट कॉफी पीना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि इससे एसिडिटी होती है, लेकिन इसमें थोड़ा-सा घी डालने से एसिडिटी और जलन से राहत मिलती है। घी मिलाने से कॉफी ब्यूटिरिक एसिड और ओमेगा 3 फैटी एसिड से भरपूर हो जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं और हेल्दी मेटाबॉलिज्म में मदद करता है।

वजन घटाने में सहायक: अगर आप कीटो डाइट पर हैं तो सुबह घी कॉफी पीने से वजन घटाने में मदद मिल सकती है। यदि आपका शरीर कीटोसिस में नहीं है और आप घी कॉफी पी रहे हैं, तो वजन बढ़ेगा। यानी जो लोग वजन बढ़ाना चाहते हैं, वो इस तरह लाभ ले सकते हैं। कॉफी संतुष्टि प्रदान करती है और घी में शून्य कार्बोहाइड्रेट होता है। साथ हीओमेगा 3 और ओमेगा 6 फैटी एसिड वजन कम करने के लिए उपयोगी हो सकते हैं।

मूड में सुधार: घी में मौजूद ओमेगा 3 फैटी एसिड तंत्रिका ऊतक (नर्व टिश्यू) की वृद्धि और कार्य के लिए फायदेमंद होता है। यह हार्मोन उत्पादन में सुधार करती है, जिससे मूड स्थिर और खुश रहता है।

लैक्टोज का विकल्प: घी उन लोगों के लिए शानदार विकल्प है, जो लैक्टोज का सेवन नहीं कर पाते हैं, क्योंकि घी में दूध के ठोस पदार्थ और प्रोटीन होता है। यह मक्खन की तुलना में आसानी से पचता है।

अधिक ऊर्जा : वैसे भी कॉफी ऊर्जा बढ़ाती है और फोकस (ध्यान) में मदद मिलती है। घी के कारण इसकी ऊर्जा बढ़ाने वाले गुण दोगुना हो जाते हैं। कॉफी में कैफीन होता है, जो ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है।

ऐसे बनती है घी कॉफी

घी कॉफी बनाना बहुत आसान है। आप जिस भी ब्रांड की और जैसे भी (लाइट या डार्क) कॉफी पीते हैं, उसमें एक या दो चम्मच शुद्ध घी मिलाएं। घी की यह मात्रा कॉफी की मात्रा पर निर्भर करती है। स्वस्थ आहार के साथ इसे पिएं।

एक चम्मच घी में क्या-क्या होता है

यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एग्रिकल्चर (यूएसडीए) के अनुसार एक चम्मच घी में निम्न न्यूट्रिशन होते हैं।

कैलोरी: 150
वसा: 17 ग्राम
संतृप्त वसा: 10 ग्राम
असंतृप्त वसा: 7 ग्राम
कार्बोहाइड्रेट: 0 ग्राम
सोडियम: 90 मिलीग्राम
चीनी: 0 ग्राम
फाइबर: 0 ग्राम
प्रोटीन: 0 ग्राम
कोलेस्ट्रॉल: 25 मिलीग्राम

डायटिशियन और न्यूट्रिशन एक्सपर्ट कारा हर्बस्ट्रीन ने अपने एक लेख में लिखा है कि घी में अन्य खाद्य पदार्थों की तुलना में संतृप्त वसा अधिक होती है। इसलिए सुबह घी कॉफी का सेवन दिनभर की एनर्जी के लिए अच्छा होता है। इसके बाद यदि आप सुबह का नाश्ता नहीं ले पाते हैं तो भी एनर्जी बनी रहेगी। बटर की तुलना में घी सेहतमंद होता है। ध्यान रखने वाली बात यह है कि घी में कैलोरी ज्यादा होती हैं। सेवन करते समय इस लिहाज से भी ध्यान रखा जाना जरूरी है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। आत्मचिंतन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 3371

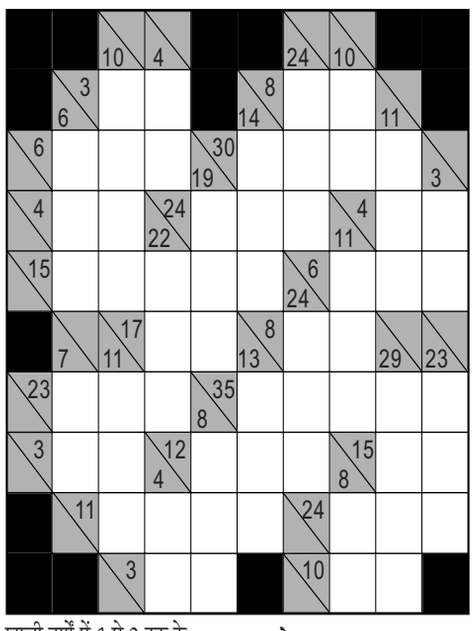

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आगे बने वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

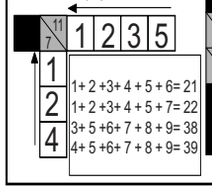

उदाहरणत:

11 → 1 2 3 5
7 ↓ 1 2 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3370 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक कवि की कविताएं कोई नहीं सुनता था आखिरकार एक दिन जब एक व्यक्ति ने उनकी कविता सुनी तो कवि ने उसका आभार मानते हुए कहा कि 'आप पहले ऐसे महानुभाव है जिन्होंने कि मेरी कविताएं इतने ध्यान से सुनी हैं.'

दूसरा व्यक्ति- 'जरा जोर से बोलिए मैं थोड़ा ऊंचा सुनता हूँ.'

एक कैदी से मिलने जेल में कोई नहीं आता था,यह देख कर जेलर को उस पर दया आ गई उसने कैदी को बुलाकर पूछा कि 'क्या बात है तुमसे मिलने तुम्हारा कोई रिश्तेदार जेल में क्यों नहीं आता है ?'

कैदी- 'क्योंकि साहब वे सब भी तो यहीं ही है !'

दो मित्र आपस में बातें कर रहे थे. एक बोला- 'क्या यह ताज्जुब की बात नहीं कि रमेश के भाग्य ने उसका आखिर तक साथ दिया.'

'वह कैसे ?'

'खाना खाते हुए वह एक मोती निगल गया था.' मित्र ने पूरी बात बताते हुए कहा -'जब उसका ऑपरेशन करके वह मोती निकाला गया तो वह इतना कीमती निकला कि उसकी कीमत से न केवल आपरेशन का बिल ही चुक गया, बल्कि उसका क्रिया-कर्म भी ठाठ से सम्पन्न हुआ.'

फिल्म वर्ग पहेली - 3371

बायें से दायें:-

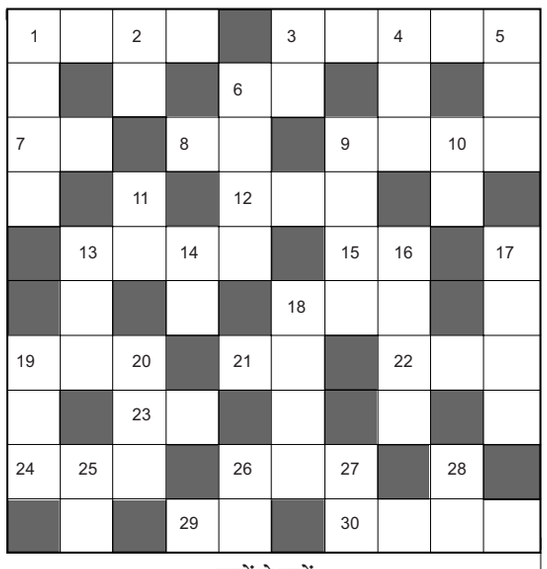

१. कारगिल युद्ध पर बनी जे. पी. दत्ता की बहु-सितारा फिल्म-२,१,१
३. 'रूप सलोना तेरा' गीत वाली सनी, अक्षय, मनीषा की फिल्म-२,३
६. आमिर, माधुरी दीक्षित की 'खंभे जैसी खड़ी है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'अपना बनाना है' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
८. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली फिल्म-२
९. 'रिमझिम के गीत' गीत वाली राजेद्र कुमार, बबीता की फिल्म-४
१२. 'छोटा कद और पेट बड़ा' गीत वाली संजयदत्त, नम्रता की फिल्म-३
१३. अजय देवगन, मधु, सोनाली की 'किसी के इश्क' गीत वाली फिल्म-४
१५. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम की नायिका कौन थी-२
१८. अक्षय कुमार, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सात सुरों के तार' गीत वाली जैकी, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२१. फरदीन, करीना की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'डैडी कूल कूल' गीत वाली शाहरूख खान, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२३. राजीव कपूर, डिम्पल की 'कोई भी नाम दो' गीत वाली फिल्म-२
२४. अभिनेत्री पूजा भट्ट के पिता-३
२६. दिलीपकुमार, वहीदा रहमान की 'कल के सपने' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तुझे ना देखूँ तो' गीत वाली जीतेंद्र, कमल सदाना, दिव्या की फिल्म-२
३०. सुमीत सहगल, शिखा की 'पीछे पीछे आजा' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल लगाने की' गीत वाली अक्षय, अमिताभ, राखी, जूही की फिल्म-२,२
२. अतीन भल्ला, संदली की एक फिल्म-२
३. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-२
४. संजयदत्त, काजोल की 'आवाज दो हमको' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली फिल्म-३
६. अजय देवगन, रवीना की 'कितना हसीन चेहरा' गीत वाली फिल्म-४
९. राजेश खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
१३. सनी, बॉबी, उर्मीला की 'कोई नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'तुम आए तो आया' गीत वाली अजय देवगन, पूजा भट्ट की फिल्म-२
१६.'कहाँ से आई रानी' गीतवाली फिल्म-२,२
१७. 'मैं जब बोलूँ हाँ' गीत वाली जीतेंद्र, नीतूसिंह की फिल्म-४
१८. अशोककुमार, सुमिता की 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'दोस्त दोस्त ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
२०. अक्षय, करिश्मा की 'दिल ले गया' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'रजिया सुल्तन' में रजिया सुल्तन की शीर्षक भूमिका किसने की हैं-२
२६. 'तेरा क्या लगता है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'काजल' की नायिका कौन थी-३
२८. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3370

का	ला	प	त्थ	र		को	ह	ग	
र		ड़ो		क्ष	त्रि	य		जा	ल
वॉ		स	ड़	क		ला	वा		म्हे
	जा	न			ज		दा	दा	
दि	ल		ख	ट्टा	मी	ठा		मि	ली
व्या		खे	ल		र		स	नी	
	प		ना	ना		डॉ	न		डो
प	रि	च	य		सु		म	वा	ली
	वा		क	सू	र			रि	
पा	र	स		र्या		वि	ग	स	त

सूडोकु -3371

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3370 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्द पहेली - 3371

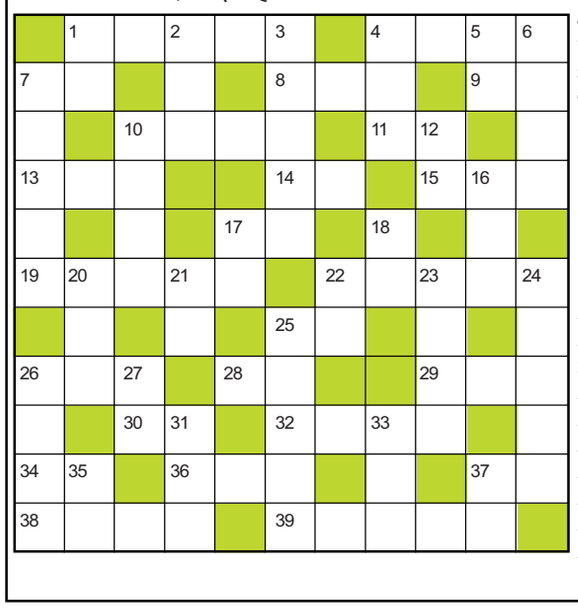

बाएँ से दाएँ

1.सहयोग की भावना-5
4.अकस्मात,एकाएक-4
7.पराजय-2
8.नाव चलाने वाला-3
9.भीगा हुआ-2
10.अनुवाद-4
11.बेल-2
13.योग्य,सही-3
14.घोड़ा गाड़ी-2
15.काव्य,गजल-3
17.अद्वैतभाव,कुर्बान-2
19.नामकरण-2,3
22.राजा का महल-5
25.प्रेम,ममता-2
26.कपड़े की दीवार-3
28.रास्ता,मार्ग-2
29.सिर,खोपड़ी-3
30.माप-2
32.गुस्सा करना-4
34.व्यंग,चुटीली बात-2
36.नायक,नेता-3
37.एक आंख वाला-2
38.रचनाकार-4
39.कृष्ण का एक नाम-3,2

ऊपर से नीचे

1.महोदय (अंग्रेजी-2)
2.डरपोक,भीरू-3
3.व्यंग कसना -5
4.बुद्धि-3
5.झुका हुआ-2
6.कर देने वाला-4
7.चोरी करना,छीनना (मु.-2,3)
10.तहखाना-4
12.एकटक देखना-2
16.वियोग,जुदाई-3
17.आमिर,काजोल की नई फिल्म-2
18.खुजली-2
20.घोटना,मंथन करना-3
21.पत्र,चिट्ठी-2
22.रास्ता-2
23.सुगंधित होना-4
24.बिजली का कौंधना-5
25.कुलीन स्त्री,देवी (उर्दू-5)
26.भगवान,ईश्वर-4
27.पेड़ का मध्य भाग-2
31.पटाखे की बाती,-3
33.अभिव्यक्ति-3
35.नृत्य,डांस-2
37.छोटी सवारी गाड़ी-2

शब्द पहेली -3370का हल

	व	र	दा	न		म	क	स	द	
म			न		अ		ल			नि
न		व्य	व	हा	र	कु	श	ल		य
मा	न	व			दा			कि	म	त
नी		था		आ	स	न		र	न	
	र		हा	रा		ह	त्या		का	
	क	वि		म	क	र		क		रा
ह	म	ला			ल			म	वे	शी
वे		प	र	व	र	दि	गा	र		फ
ली			स		व		य			ल
	र	ह	म	त		घ	ब	रा	ना	

पोलियो दिवस पर 3 लाख 27 हजार बच्चों को 'दो बूंद जिन्दगी की' पिलाएगा स्वास्थ्य विभाग : एडीसी

मोबाइल वैन के माध्यम से भी भट्टों, फैक्टरियों तथा अन्य क्षेत्रों में पिलाई जाएगी दवाई

समाचार गेट/जितेंद्र सिंह

फरीदाबाद। एडीसी साहिल गुप्ता ने बताया कि 08 दिसंबर को पोलियो दिवस के अवसर पर जिले में पोलियो अभियान चलाकर 5 साल तक के 3 लाख 27 हजार बच्चों को दवाई पिलाई जाएगी।

एडीसी साहिल गुप्ता की अध्यक्षता में बुधवार को लघु सचिवालय बैठक कक्ष में जिला टास्क फॉर्स की मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक में एडीसी ने संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि सभी अधिकारी इस अभियान को सफल बनाने अपनी अहम भूमिका निभाएं।

उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत हाई रिस्क क्षेत्र जैसे कि भट्टों, फैक्टरियों, निर्माणाधीन स्थलों तथा स्लम एरियों में 5 साल तक के बच्चों को स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की मोबाइल टीम द्वारा पोलियो ड्रॉप पिलाई जाएगी।

एडीसी ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारीयों को आदेश दिए कि वे सभी आंगनबाड़ी वर्करों को जिले में सभी बूथों पर बच्चों को पोलियो की दवाई पिलाने में सहयोग करें।इसके अलावा सभी बी.डी.पी.ओ गांवों में इस अभियान को लेकर मुनादी करवाए ताकि अभियान की सूचना घर घर तक पहुंचाई जा सके।

बैठक में शिक्षा विभाग, जीएम रोडवेज, आयुष विभाग, महिला एवं बाल विकास, श्रम विभाग, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी, जिला जनसंपर्क अधिकारी, वह स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहें।

स्कूली बच्चों ने ली बाल विवाह मुक्त भारत के लिए शपथ

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सराय ख्वाजा फरीदाबाद में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा एवं जिला प्रशासन द्वारा नियुक्त अधिकारी प्रदीप कुमार छात्र छात्राओं को शपथ दिलाते हुए। आज दिनांक 04-12-2024 को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत डीसी के मार्गदर्शन में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सराय ख्वाजा फरीदाबाद में जूनियर रेडक्रॉस और सेंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड के सहयोग से प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रदीप कुमार चाइल्ड हेल्पलाइन जिला बाल संरक्षण इकाई व गवर्मेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सराय ख्वाजा स्कूल के प्रिंसिपल श्री रविंद्र कुमार मनचंदा एवं स्टाफ के अधिकारियों की मौजूदगी में छात्र छात्राओं को बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ दिलाई गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और समाज में बाल विवाह के खिलाफ जन चेतना पैदा करना था। प्रदीप कुमार चाइल्ड हेल्पलाइन जिला बाल संरक्षण इकाई ने कहा कि शिक्षा ही वह साधन है, जो बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं को समाप्त कर सकती है। हमें अपनी बेटियों को शिक्षित करना होगा और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता पैदा करनी होगीं। इस अवसर पर 2700 से भी अधिक छात्र छात्राओं ने सामूहिक रूप से यह शपथ ली कि वह न तो स्वयं बाल विवाह करेंगी और न ही अपने आस-पास किसी को ऐसा करने देंगी तथा बाल विवाह की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, डायल 112, पंचायत एवं सरकार को देंगे। बाल विवाह के विरुद्ध शपथ ग्रहण कार्यक्रम के दौरान 2700 से भी अधिक छात्र एवं छात्राओं ने शपथ ली। प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा तथा सभी स्टाफ सदस्यों ने जिला प्रशासन से आए अधिकारी प्रदीप कुमार का विद्यार्थियों को बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों से जागरूक करने के लिए आभार व्यक्त किया।

भारत सेवा प्रतिष्ठान ने लगाया कैंसर जांच एवं जागरूकता शिविर

स्वस्थ स्लम स्वास्थ्य जन के ध्येय को लेकर हुआ आयोजन : अरुण वालिया

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। पंडित अमरनाथ हाई स्कूल में हुआ कैंसर जागरूकता एवं जांच शिविर का आयोजन। भारत सेवा प्रतिष्ठान, डॉ.सूरज प्रकाश आरोग्य केंद्र लघु उद्योग भारती, कनोरर ब्रेम्से इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, आरडब्ल्यूए ए सी नगर से प्रधान दिनेश बांसवाल और उनकी पूरी टीम ने किया सहयोग। लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने लोगों को कैंसर के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी।

भारत सेवा प्रतिष्ठान से अरुण वालिया ने बताया कि हम समाज के हर वर्ग के लिए कैंसर / स्वास्थ्य / स्वच्छता जागरूकता शिविर पूरे फरीदाबाद में लगाते रहते हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ स्लम स्वास्थ्य जन के ध्येय को लेकर हमारी संस्था का प्रयास रहता है कि हम अपने स्मार्ट सिटी फरीदाबाद में ज्यादा से ज्यादा जागरूकता लाकर इस कैंसर को फैलने से रोक सके। इसका एकमात्र उपाय सिर्फ और सिर्फ जागरूकता है। समय-समय पर जांच कराते रहें ताकि समय रहते इसका उपचार संभव हो सके।

समाधान शिविर बन रहे हैं जन सुनवाई का केंद्र बिंदु: डीसी

प्रत्येक कार्य दिवस पर प्रात: 10 से 12 बजे तक लगाए जा रहे है समाधान शिविर

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। आमजन से जुड़ी शिकायतों का निदान करने सहित विभिन्न प्रकार की जन समस्याओं की सुनवाई करते हुए समस्या का समाधान करने के लिए प्रत्येक कार्य दिवस पर। फरीदाबाद जिला में समाधान शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार जन कल्याण के साथ जन समस्याओं के समाधान को समर्पित है। लोगों की हर प्रकार की समस्याओं के तुरंत समाधान के लिए समाधान शिविरों के आयोजन की अनूठी शुरूआत की गई है। आम जनमानस को इसका पूर्ण लाभ उठाना चाहिए। इसके लिए अधिकारियों-कर्मचारियों को विशेष निर्देश दिए गए हैं। समाधान शिविर में आने वाला कोई भी व्यक्ति निराश नहीं लौटेगा।

डीसी के अनुसार समाधान शिविर के माध्यम से लोगों की प्रमुख समस्याओं का निपटारा किया जा रहा है। इनमें प्रमुख तौर पर प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, जमीन का पंजीकरण, लोकल बॉडी का नो ड्यूज सर्टिफिकेट, म्युनिसिपल कमेटी से नक्शा अनुमोदन, बिजली-सिंचाई-सार्वजनिक स्वास्थ्य, समाज कल्याण पेंशन तथा अपराध की शिकायतें और राशन कार्ड को शामिल किया गया है। इनसे संबंधित हर प्रकार की शिकायतों के समाधान के लिए समाधान शिविर में संपर्क किया जा सकता है।

डीसी ने कहा कि संबंधित विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ एसडीएम भी समाधान शिविरों में आने वाली शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करवा रहे है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी लोगों के लिए उपलब्ध रहेंगे, ताकि आम जन को किसी भी प्रकार की समस्याएं पेश न आयें। यदि कोई समस्या आती है तो तुरंत उसका समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

समाधान शिविर में एसडीएम फरीदाबाद शिखा, सीटीएम अंकित कुमार, जिला परिवाद एवं कष्ट निवारण समिति के सदस्य वजीर सिंह डागर सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

बिछुड़ी बुजर्ग महिला बेटे से मिली, बेटे ने जताया आश्रम का आभार

समाचार गेट/ब्यूरो

फरीदाबाद। बुजुर्ग महिला किरण देवी पत्नी लालेश्वर उम्र 50 वर्ष को आज उस समय सबसे बड़ी खुशी मिली जब आश्रम के संचालक किशन लाल बजाज ने उसे उसके बिछड़े हुए बेटे संजीत सिंह से मिलवाया। बेटे से मिलते ही किरण देवी की आंखों से खुशी के आंसू आ गए। पल्ला पुलिस को बुजुर्ग महिला 22 नवंबर 2024 को पल्ला क्षेत्र में लावारिस हालत में घूमते मिली थी,परिजनों का पता ना लग पाने के कारण पुलिस कर्मचारी कपिल उन्हें 23 नवंबर 2024 को ताऊ देवीलाल वृद्धाश्रम में दाखिल कराया था। बुजुर्ग महिला के बेटे संजीत कुमार ने बताया कि उनकी माता बिना बताए घर से बाहर चली गई थी और रास्ता भटक कर लापता हो गई। आज में अपनी मां से मिलकर बहुत खुश हुं और ताऊ देवीलाल वृद्धाश्रम के संचालक किशन लाल बजाज का दिल से धन्यवाद करता हुं जिन्होनें मेरी माताजी की पूरी तरह से देखभाल और सेवा की और उन्हें परिवार की कमी महसूस नहीं होने दी गई। किशन लाल बजाज ने कहा कि जीवन का असली सुख और आन्नद बिछडों को मिलाने में आता है।

खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ कर नशे से दूर रहने को किया प्रेरित

समाचार गेट/ब्यूरो

कुरुक्षेत्र। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो प्रमुख/पुलिस महानिदेशक श्री ओपी सिंह साहब के दिशानिर्देशों एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती पंखुरी कुमार के मार्गदर्शन में हरियाणा राज्य को नशा मुक्त करने के लिए भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। ब्यूरो द्वारा वर्ष 2023 में हरियाणा में 3823 अभियोग अंकित कर 5870 नशा तस्करों को सलाखों के पीछे भेजा गया है जबकि इस वर्ष 30 नवंबर तक 3051 अभियोग अंकित कर 4627 नशा तस्करी में संलिप्त अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा जा चूका है। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा को विशेष रूप से हरियाणा प्रांत में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम के लिए नियुक्त किया गया है। वे प्रतिदिन हरियाणा के गांव गांव जाकर नशा मुक्त हरियाणा अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम कर रहे हैं। वे बाबैन में डॉ. दीपक देवगन लिटिल चैंप्स कान्वेंट स्कूल पहुंचे हुए थे। स्कूल के निदेशक डॉ. दीपक देवगन, डॉ. जयश्री देवगन और सेवानिवृत मेजर राजकुमार की अध्यक्षता में आयोजित खेल उत्सव के अवसर पर नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया। डॉ. दीपक देवगन ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों को सबसे प्रथम अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने मशाल को प्रज्ज्वलित कर खेलों का शुभारंभ किया और अपने संबोधन में कहा कि युवा विशेष रूप से विद्यार्थी अपनी ऊर्जा का प्रयोग सकारात्मक कार्यों कि और लगाएं जिसमें खेल सबसे उत्तम साधन है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मसतिष्क का वास होता है। उन्होंने डॉ. देवगन स्कूल के प्रबंधक समिति और विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह एक बहुत ही उत्तम और सर्वश्रेष्ठ खेल प्रतियोगिता है जो वास्तव में विद्यार्थियों में अनुशासन के साथ साथ राष्ट्र प्रेम के प्रति सजगता को प्रोत्साहित करेगी।

जिला में 8 से 10 दिसंबर तक दी जाएगी नौनिहालों को पोलियो की खुराक : डीसी

डीसी विश्राम कुमार मीणा ने कहा अपने बच्चों को अवश्य पिलवाएं पोलियो की खुराक

स्वास्थ्य विभाग की ओर से 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के 311732 बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित

1090 बूथों पर घर घर जाकर 1262 टीमें पिलाएंगी पोलियो की खुराक

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि नूंह जिला में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आगामी 8-9 व 10 दिसंबर को एसएनआईडी पल्स पोलियो अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाएगी। पल्स पोलियो की खुराक बच्चों के लिए इसलिए आवश्यक है भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान व अफगानिस्तान में पोलियो के मामले बीते कई वर्षों से सामने आ रहे थे लेकिन अब ब्रिटेन में भी पोलियो का मामला सामने आया है। जबकि कई वर्षों से ब्रिटेन में पोलियो का एक भी मामला नहीं था। उन्होंने यह बात बुधवार को लघु सचिवालय स्थित कांफ्रेंस हॉल में पल्स पोलियो कार्यक्रम के तहत गठित जिला टास्क फोर्स की बैठक को संबोधित करते हुए कही। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि नूंह जिला में तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ 08 दिसंबर रविवार को होगा। तीन दिवसीय अभियान 10 दिसंबर तक चलाया जाएगा।

तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान के तहत जिले में जीरो से पांच वर्ष तक की आयु के तीन लाख 11 हजार 732 बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को एक हेल्पलाइन नंबर जारी करने के भी निर्देश दिए अगर कही पोलियो की दवा पिलाने वाली टीम नहीं पहुंची तो उस नंबर पर सूचना दी जाए। उन्होंने बताया कि जीरो से 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाकर देश के भविष्य को सुरक्षित रखा जा सकता है। इस अभियान में कोई भी बच्चा पोलियो रोधी खुराक पीने से वंचित न रहे। उन्होंने ईंट भट्टों व मलिन बस्तियों में छोटे बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने हेतु विशेष ध्यान देने तथा निर्माणाधीन स्थानों पर मौजूद श्रमिकों के बच्चों को भी पोलियो की दवा पिलाने के निर्देश दिए हुए हैं। सिविल सर्जन डा. सर्वजीत सिंह ने बताया कि पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत 8 दिसंबर को विभाग की टीमों द्वारा निर्धारित पोलियो बूथों पर तथा 9 व 10 दिसंबर को घर-घर जाकर जीरो से 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाई जाएगी। लक्ष्य को पूरा करने के लिए 1090 बूथ, टीमें बनाई गई है। जिला में 106 ऐसे मौहल्ले गली व ढाणी है जो हाई रिस्क क्षेत्र में आते है। उन्होंने बताया कि लक्ष्य को पूरा कराने के लिए 483 सुपरवाइजर व 1262 टीमों का गठन किया गया है जिनमें 39 ट्रांजिस्टर टीम तथा 67 मोबाइल टीम का गठन किया गया है। इस अवसर पर एसडीएम नूंह प्रदीप अहलावत, एसडीएम तावडू संजीव कुमार, एसडीएम फिरोजपुर झिरका डा.चिनार चहल, एसडीएम पुन्हाना संजय कुमार, महिला एवं बाल विकास अधिकारी मीरा, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डा. यशबीर गहलावत सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

सरसों की पैदावार के लिए प्रदेश में दूसरा स्थान रखने वाले नूंह के किसानों की सरसों की फसल पर संकट के बादल छाए हुए हैं

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। हरियाणा प्रदेश में सरसों उत्पादन में दूसरा स्थान रखने वाले जिला नूंह के किसानों पर संकट के बादल छाए हुए हैं। सरसों की फसल बोने वाले किसान फसल में पहला नहरी पानी दे रहे हैं। जिसके बाद फसल खराब होती नजर आ रही है। फसल का खराब होने का कारण नहरी पानी है। जिसमें अधिक केमिकल होने की वजह से फसल गल रही है। नूंह जिले के उप मंडल कृषि अधिकारी डॉ अजीत से जब इस बारे में बात की गई तो उन्होंने कहा कि नूंह जिले का अधिकतर किसान नहरी पानी अपनी फसलों में लगता है नहरी पानी में केमिकल अधिक होते हैं जिन किसानों के द्वारा सरसों की फसल में नहरी पानी लगाया है उन किसानों की सरसों की फसल खराब हो गई है।

नूंह के उपमंडल कृषि अधिकारी डॉ अजीत सिंह ने बताया कि नूंह जिले में कुल सरसों का रखवा 30 हज़ार हेक्टेयर के आसपास है और उन्होंने कहा कि सरसों की फसल ज्यादा सेंसिटिव क्रॉप है और पानी के अगेंस्ट है तो इसमें सभी किसान भाइयों से कहना चाहूंगा कि एक तो इसमें सबसे पहले हल्का पानी देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यहां पर एक माइनर ट्रेन है। उसमें हमने टेसटिंग कराई थी तो इसके अंदर मेटल और कुछ पेसटिसाइड है। जिसकी वजह से इस नहर का पानी लगे से सरसों की फसल खराब हो रही है। उप मंडल कृषि अधिकारी डॉ अजीत ने कहा कि किसानों को नहरी पानी अपनी फसलों में नहीं देना चाहिए और इसके अलावा उन्होंने कहा कि जिन किसानों की सरसों की फसल में नुकसान हुआ है उन किसानों को खराब हुई सरसों की फसल में एक सप्रे करें जिसमें ढाई किलो नाइट्रोजन और 400 से 500 ग्राम जिंक सल्फेट लेकर दोनों का घोल बनाकर 150 से 200 लीटर पानी में मिला ले और हर 15 दिन बाद इस घोल का स्प्रे खेत में करें। इस स्प्रे को करने के बाद 70 से 80% फसल में सुधार होगा और किसान को होने वाले नुकसान से कुछ निजात मिल सकेगी।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की बल्लबगढ़ में होगी बैठक: डॉ नरेशपाल

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन हरियाणा के प्रभारी डॉ नरेश पाल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 15 दिसंबर को हरियाणा राज्य में जिला फरीदाबाद के उपमंडल बल्लबगढ़ स्थित सेक्टर 64 सुनील कुमार जांगड़ा के संयोजन में प्रदेश स्तरीय पत्रकार बंधुओ के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। जिसमें बैठक की अध्यक्षता भेड़ी नजर दैनिक समाचार पत्र के प्रधान संपादक गिरीश चंद्र शर्मा एवं कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर डॉ. एमपी सिंह करेंगे। अगले बिन्दु में प्रभारी हरियाणा/उत्तराखंड डॉ नरेश पाल सिंह ने बताया कि हरियाणा की कार्यकारिणी बैठक में बतौर मुख्य अतिथि के रूप से एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवी प्रसाद गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि प्रवीण चौहान एवं राष्ट्रीय सचिव नरेश कुमार सक्सेना और हरियाणा/उत्तराखंड के प्रभारी डॉ.नरेश पाल सिंह शिरकत करेंगे।प्रभारी डा नरेश पाल सिंह ने बताया कि इस बैठक मे हरियाणा के पत्रकारो की समस्याओ उपलब्ध शासकीय सुविधाओ एवम आगामी रुपरेखा पर विमर्श होगा । जिसमे सँगठन का विस्तार प्रमुख है।

संपादकीय

सेकुलर बने रहेंगे या नहीं..!

संविधान की प्रस्तावना के दो शब्दों धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी को लेकर करीब आधी सदी से जारी बहस पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक तरह से पूर्णविराम लगा दिया। सर्वोच्च अदालत ने इससे जुड़ी याचिका को खारिज करते हुए दो बातें बिल्कुल साफ कर दीं। एक तो यह कि संविधान की प्रस्तावना में इन दो शब्दों को जोड़ना गलत नहीं था और दूसरी यह कि एक और संविधान संशोधन के जरिए इन शब्दों को प्रस्तावना से हटाने की कोई गुंजाइश नहीं रह गई है। इस क्रम में अदालत ने बहस के कई अहम पहलुओं पर रोशनी डाली, जिससे फैसले की सार्थकता और बहस की निरर्थकता दोनों स्पष्ट होती है।

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

जैसा कि इस मामले में अदालत में दायर याचिका से भी स्पष्ट है, संविधान की प्रस्तावना में इन दो शब्दों को जोड़े जाने के लिए किए गए संशोधन को दो मुख्य आधारों पर गलत बताने की कोशिश की जाती रही थी। एक तो यह कि 1976 में यह संशोधन तब किया गया, जब लोकसभा का नियमित कार्यकाल समाप्त हो चुका था। दूसरी बात यह कि संविधान निर्माता इन दो शब्दों को जोड़े जाने के प्रस्ताव पर विचार करने के बाद उसे नामंजूर कर चुके थे। सुप्रीम कोर्ट ने इन दोनों आधारों को खारिज कर दिया।

फैसले ने इस तथ्य की ओर फिर से ध्यान खींचा कि प्रस्तावना में सेकुलर शब्द जोड़े जाने से पहले भी संविधान का ढांचा सेकुलर ही था। समय-समय पर अलग-अलग मामलों में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसलों से भी इस बात की तस्दीक होती रही है। जहां तक ये दो शब्द जोड़े जाने का सवाल है तो सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक देश की संसद को इस तरह के संशोधन करने का पूरा अधिकार है। लेकिन चूंकि ये शब्द संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा हैं, इसलिए इन्हें प्रस्तावना से हटाने की कोई भी कोशिश असंवैधानिक मानी जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने रेखांकित किया है कि चाहे धर्मनिरपेक्ष हो या समाजवादी, ये शब्द हमारे संविधान की प्रगतिशीलता को बनाए रखने में सहायक हैं। जहां धर्मनिरपेक्षता नागरिकों की समानता और धार्मिक स्वतंत्रता जैसे मूल अधिकारों को सुनिश्चित करती है, वहीं समाजवाद के प्रति निष्ठा राज्य के कल्याणकारी स्वरूप को बनाए रखने में मदद करती है। ये शब्द नीति निर्देशक तत्वों में दिए गए समान आचार संहिता जैसे लक्ष्यों की ओर बढ़ने में भी किसी तरह की बाधा खड़ी नहीं करते।

कुल मिलाकर, सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने स्पष्ट कर दिया है कि धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद जैसे शब्दों और मूल्यों से पीछा छुड़ाने की हाल के वर्षों में तेज हुई प्रवृत्ति को स्वस्थ और प्रगतिशील नहीं माना जा सकता। बेहतर होगा, ऐसी प्रवृत्तियों को बढ़ावा न दिया जाए।

लोहारू विधानसभा क्षेत्र में 6 दिसंबर तक भाजपा सदस्यता का आंकड़ा 20 हजार से पार कर जाएगा : जेपी दलाल

प्रत्येक गांव व वार्ड स्तर पर भाजपा सदस्यता महाअभियान चलाया रहा है : पूर्व वित्त मंत्री जेपी दलाल

बीजेपी के नए सदस्य जोड़ने के लिए डोर टू डोर अभियान चलाया जा रहा है : जेपी दलाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा बनाई गई जनकल्याण की नीतियो से लोगों में जबरदस्त उत्साह: जेपी दलाल

भाजपा के सदस्यता अभियान में कार्यकर्ता लोहारू हल्के मेंअधिक से अधिक सदस्य बनाकर करें रिकॉर्ड कायम: जेपी दलाल

समाचार गेट/सोनिका सूरा सिवानी। प्रदेश के पूर्व कृषि एवं वित्त मंत्री तथा भाजपा की वरिष्ठ नेता जेपी दलाल ने कहा कि लोहारू विधानसभा क्षेत्र में 6 दिसंबर तक भाजपा सदस्यता का आंकड़ा 20 हजार से पार कर जाएगा। प्रत्येक गांव व वार्ड स्तर पर भाजपा सदस्यता महाअभियान चलाया रहा है। बीजेपी के नए सदस्य जोड़ने के लिए डोर टू डोर अभियान चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी द्वारा बनाई गई जनकल्याण की नीतियो से लोगों में जबरदस्त उत्साह है। भाजपा के सदस्यता अभियान में कार्यकर्ता लोहारू हल्के मेंअधिक से अधिक सदस्य बनाकर रिकॉर्ड कायम करें। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार नीतिया बनकर प्रत्येक वर्ग की भलाई व क्षेत्र के विकास के लिए कार्य कर रही है।

पूर्व वित्त मंत्री जेपी दलाल बुधवार को गांव कुड़ल, फरटिया केहर, ढाण जोगी, चैहड़ खुर्द तथा बहल गांव में भाजपा द्वारा चलाए जा रहे हैं सदस्यता अभियान में लोगों को भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवाई और विवाह कार्यक्रमों में नवविवाहितों को आशीर्वाद दिया। बहल के रिसॉर्ट में मण्डलअध्यक्ष सुनील शर्मा के सुपौत्र व सुपौत्री के दशोठन कार्यक्रम में भी शिरकत की। उन्होंने नवजात को आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा की प्रचंड जीत, बीजेपी की पारदर्शी नीतियां व हर वर्ग की भलाई के लिए लागू गई नीतियों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भाजपा के सदस्यता अभियान में कार्यकर्ता लोहारू में अधिक से अधिक सदस्य बनाकर रिकॉर्ड कायम करें। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की लोकतांत्रिक पार्टी है। इस पार्टी में कार्यकर्ताओं का सम्मान दिया जाता है।भाजपा सरकार ने अन्नतोदय की भावना कार्य करके हर वर्ग के हित में अनेक योजनाओं को पारदर्शिता से लागू करके और बिना खर्ची व पर्ची से योग्यता के आधार पर हजारों युवाओं को सरकारी नौकरी दी है। इसी बदौलत तीसरी बार ऐतिहासिक जीत दर्ज कर स्पष्ट बहुमत से भाजपा की सरकार बनी है। इससे प्रदेश में और अधिक गति से विकास कार्य होंगे। उन्होंने कहा कि संगठन को और अधिक मजबूत करने के लिए लक्ष्य से भी ज्यादा सदस्यता ग्रहण करवाएं। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य लोगों को पार्टी की विचारधारा से जोडना और संगठन को और अधिक मजबूत करना है।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि आमजन भाजपा के विचारों से जुड़ें और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मिलकर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अहम भूमिका निभाएं। उन्होंने विकसित राष्ट्र और विकसित हरियाणा बनाने के लिए अधिक से अधिक लोगों को भाजपा से जुडने. की अपील की। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक लोग भाजपा की सदस्यता ग्रहण करें और अंत्योदय के संकल्प और नॉन-स्टॉप हरियाणा को विकसित बनाने के हमारे ध्येय को साकार करने में अपनी भूमिका निभाएं। भाजपा की केंद्र व प्रदेश सरकार ने नीति बनाकर हर वर्ग की भलाई के लिए कार्य किया। किसान व गरीब की आय बढ़ाने के लिए पारदर्शिता से अनेक योजनाओं को लागू किया। जेपी दलाल ने कहा कि लोहारू विधानसभा क्षेत्र में बिना खर्ची व बिना पर्ची योग्यता के आधार पर युवाओं का चयन हुआ है जिससे गरीब परिवारों में खुशी की लहर है। हर वर्ग के गरीब परिवारों को नौकरी मिली है, गुजरात मॉडल की तरज पर भाजपा और कई वर्षों तक जीत दर्ज करेगी। किसी भी गांव, कस्बे में ग्रांट की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी।

चेतक स्टेडियम में खेडी में आज से होगी 4 दिवसीय फुटबाल प्रतियोगिता

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। गोल्डन स्टार फुटबाल क्लब खेडी तलवाना की ओर से आज 5 दिसबंर से 8 दिसंबर तक 4 दिवसीय फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसका शुभारंभ समारोह के मुख्यातिथि भागीरथ सिंह राघव द्वारा किया जायेगा। समारोह की अध्यक्षता फुटबॉल के एनआईएस कोच जसमेर सिंह की रहेगी। 'चेतक'खेल स्टेडियम में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए दिनरात एक कर सुंदर स्वरूप प्रदान किया है। सूबेदार मोती कुमार लाटा ने बताया कि महेंद्रगढ जिले में कनीना-दादरी मार्ग स्थित गांव खेडी तलवाना के चेतक खेल स्टेडियम में आयोजित होने वाली 'एक पंचायत' फुटबाल प्रतियोगिता में विजेता टीम को 51 हजार तथा उप विजेता टीम को 41 हजार रूपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। टीम में एक पंचायत के खिलाडी शामिल होगें तथा सेमिफाइनल में पराजित होने वाली टीमों को आयोजन समिति की ओर से 5100 रूपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी। टीम का पंजीकरण शुल्क 500 रूपये निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस स्टेडियम में उनकी ओर से प्रतिवर्ष फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। जिसमें दूरदराज से टीमें हिस्सा लेती हैं। उन्होंने बताया कि बाहर से आने वाली टीमों के रहने तथा खाने की व्यवस्था क्लब की ओर से की जाती है। स्टेडियम में खेल मैदान तथा पैवेलियन को चमकाया गया है।

एसडी स्कूल की छात्रा ने 68वीं राष्ट्रीय स्कूल गेम्स प्रतियोगिता में जीता मैडल

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 68वीं राष्ट्रीय स्कूल गेम्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 में एसडी स्कूल ककराला की छात्रा अदिति आर्या ने रिले रेस में सिलवर मैडल जीतकर स्कूल तथा क्षेत्र का नाम रौशन किया है। विद्यालय के चेयरमैन जगदेव यादव ने अदिति आर्या को सम्मानित किया है। उन्होंने कहा कि अदिति पढाई एवं खेल प्रतियोगिता में सामंजस्य स्थापित कर मेहनत करती है जिसमें अभिभावकों का भी पूरा सहयोग मिलता है। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व अदिति ने फैडरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता की 60 मीटर दौड़ में गोल्ड व 100 मीटर दौड में कांस्य पदक जीता था। इस अवसर पर प्राचार्य ओमप्रकाश, सीईओ आरएस यादव, सुनील कुमार, रत्न सिंह, सोनू कोच, दीपक कोच, सतिश कोच सहित विद्यालय के शिक्षक उपस्थित थे।

निजी स्कूल बस द्वारा बाईक को टक्कर मारने के आरोप में चालक नामजद

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना-नारनौल मार्ग स्थित सुंदरह नहर के समीप एक निजी स्कूल बस तथा बाईक की टक्कर होने पर घायल हुए बाईक सवार के पिता की शिकायत पर कनीना सदर थाना पुलिस ने आरोपी बस चालक के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। इस बारे में कोका गांव निवासी ईश्वर सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पुत्र अमित बीती 18 नवंबर को सुंदरह से सामान लेकर बाईक से घर आ रहा था। जब वह नहर के समीप पंहुचा तो बवानिया में संचालित एक निजी स्कूल की बस तेज गति से आई ओर उसकी बाईक को टक्कर मार दी। जिससे बाईक क्षतिग्रस्त हो गई वहीं अमित भी घायल हो गया। बस के पीछे चल रहे अनिल वासी डूमोली ने बस चालक का नाम पता मालुम किया तो उसने अपना नाम सुनील वासी ढाणा बताया। उन्होंने डायल 112 को सूचना दी। घायल को उप नागरिक अस्पताल महेंद्रगढ में दाखिल कराया गया जहां चिकित्सकों ने हायर सैंटर रैफर कर दिया। परिजनों ने उसे रेवाडी के निजी अस्पताल में दाखिल कराया। स्वास्थ लाभ मिलने के बाद दी गई शिकायत पर पुलिस ने हादसे के आरोपी बस चालक के विरूध केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

शादी समारोह आए व्यक्ति का रास्ता रोककर मारपीट करने के तीन आरोपियों को पुलिस ने दबोचा

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। खंड के गांव खेडी तलवाना में बारात में आए व्यक्ति से से गाडी का रास्ता रोककर मारपीट कर घायल करने के आरोप में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान जयसिंह व विपेंद्र उर्फ विपिन वासी गांव भावठडी, सुरजगढ राजस्थान तथा दिनेश वासी ढाणी भालोठिया के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपितों से दो गाड़ी व मोबाइल फोन भी बरामद कर जब्त किया है। पुलिस ने आरोपितों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। शिकायतकर्ता विकास वासी गांव भावठडी, सुरजगढ ने सदर कनीना में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया था कि 29 नवम्बर को वह शादी समारोह में गांव खेडी तलवाना आए थे। दोस्त की गाडी में सवार होकर वापिस चले तो उसके साथ तीन अन्य व्यक्ति भी थे। खेडी तलवाना से कुछ दूरी पर चले थे कि उनकी गाडी के आगे स्कॉर्पियो कार लगा दी और रास्ता रोक लिया। उसी समय पीछे से एक पिकअप ने उनकी गाडी में टक्कर मारी। स्कार्पियो गाडी से कुछ लडके नीचे उतर कर आए, जिनके हाथों में लाठी-डंडे थे। जिन्होंने गाडी से उतरते ही लाठी-डंडो से उसकी गाडी को तोड दिया और उसे नीचे उतारकर लाठी डंडो से पीटकर घायल कर दिया। एक युवक उसका मोबाईल छीन ले गया था। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के दिशानिर्देशन में पुलिस कर्मचारियों ने तीन आरोपियों को काबू कर जेल भेज दिया।

तीहरे हत्याकांड से दहला खेडी तलवाना गांव

एनएसजी के पूर्व सैनिक, उनकी पत्नी व बेटी का दिल्ली में हुआ मर्डर

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। खंड के गांव खेडी तलवाना निवासी एंव दिल्ली के जेवली क्षेत्र में रहने वाले एनएसजी के पूर्व सैनिक राजेश कुमार 52 वर्ष,उसकी पत्नी कोमल 48 वर्ष व बेटी कविता 23 वर्ष के तीहरे मर्डर कांड की खबर सुनकर क्षेत्र में सनसनी फैली हुई है। मृतक का 20 वर्षीय बेटा बंटी जो जिम करने गया हुआ था वह बच गया, उसके घर लौटने पर घटना का खुलासा हुआ। मृतक राजेश के परिजन पिंकू तंवर ने बताया कि राजेश सेवानिवृत होने के बाद पिछले 14 वर्ष से दिल्ली में मकान बनाकर रह रहा था। घटना को देखकर पडोसियों के भी रोंगटे खडे हो गए। उनकी हत्या के पीछे क्या कारण रहे हैं उनका अभी तक कोई सुराग नहीं लग सका है। दिल्ली की नेमसराय थाना पुलिस इस संदर्भ में साक्ष्य जुटा रही है। प्रथम दृष्टया पुलिस ने संदेह के आधार पर कुछ लोगों को राउंडअप किया है जिनसे पूछताछ की जा रही है। मृतकों को बुधवार को पोस्टमार्टम नहीं होने पर बृहस्पतिवार को दोपहर तक गांव खेडी तलवाना में उनका अंतिम संस्कार किया जायेगा। मृतक के परिजन खेडी से दिल्ली कूच कर गए हैं। हृद्यविदारक घटना को लेकर सभी परिजन विचलित हैं। उनकी ओर से अधिक जानकारी मीडिया से साझा नहीं की जा रही है। बताया जा रहा है राजेश के पास लाईसेंसी हथियार था ओर वह किसी वीआईपी पर्सन का पीएसओ लगा हुआ था। बुधवार को उनके विवाह की सालगिरह थी। घटना को किन व्यक्तियों ने अंजाम दिया। इसका पता लगाने के लिए पुलिस की साईबर तथा फोरेंसिक टीमें जांच में जुटी हुई हैं। कनीना सदर थाना पुलिस भी दिल्ली पुलिस से संपर्क साधे हुई है। तीहरे हत्याकांड को लेकर खेडी तलवाना सहित आसपास के गांव में मातम पसरा हुआ है।

मर्डर के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस की साइबर तथा फोरेंसिक टीमें जांच में जुटी

बृहस्पतिवार को खेडी गांव में होगा अंमिम संस्कार

कोर्ट भवन के निर्माण की मांग को लेकर वकीलों का धरना तीसरे दिन भी जारी

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना में एसडीजेएम कोर्ट भवन के निर्माण की मांग को लेकर बार एसोसिएशन द्वारा सोमवार से शुरू किया गया अनिश्चतकालीन धरना बुधवार को तीसरे दिन भी धरना जारी रहा। अधिकताओं ने कहा किइस दौरान वर्क सस्पेंड रहेगा। उन्होंने कहा कि कनीना में 2016 में कोर्ट शुरू हुआ था। लेकिन अभी तक कोर्ट भवन का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया है। अधिवक्ताओं द्वारा पहले भी कई बार मांग उठाई जा चुकी है, अधिकारियों से भी संपर्क साधा जा चुका है। उन्होंने कहा कि न्यायालय भवन निर्माण कार्य जल्द शुरू नहीं किया गया तो आंदोलन का रूप दिया जा सकता है। इस पर कनीना बार एसोसिएशन के सभी अधिवक्ता मौजूद थे।

समाधान शिविर में आने वाली समस्याओं का शीघ्रता से निवारण करें अधिकारी : एसडीएम वीरेन्द्र सिंह

लघु सचिवालय के सभागार में प्रत्येक कार्यदिवस को 10 से 12 बजे तक लगाया जा रहा है समाधान शिविर

समाचार गेट/सोनिका सूरा सिवानी। एसडीएम वीरेंद्र सिंह ने कहा कि समाधान शिविर में अपनी समस्याओं को लेकर आने वाले प्रत्येक प्रार्थी की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जाए, यदि कोई समस्या किसी जांच या दस्तावेज पर आधारित है, तो उसका भी निर्धारित समय में निपटान करवाना सुनिश्चित किया जाए। एसडीएम वीरेंद्र सिंह मंगलवार को स्थानीय लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर की अध्यक्षता करते हुए विभिन्न विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दे रहे थे। समाधान शिविर में आई शिकायतें , जिनके जल्द समाधान के लिए एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। समाधान शिविर में आमजन ने एसडीएम के समक्ष बिजली विभाग, नगरपालिका, पंचायती राज, स्वास्थ्य, सिंचाई विभाग व बैंकों से संबंधित अपनी समस्याएं रखी। एसडीएम ने कहा कि हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से प्रत्येक कार्य दिवस में सुबह 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। समाधान शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा जिलों व उपमंडल में लगाए जा रहे समाधान शिविरों की नियमित तौर पर मॉनिटरिंग भी की जा रही है ताकि लोगों को अधिक से अधिक लाभ मिले। उन्होंने उपमंडलवासियों से अपील की है कि वे समाधान शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। इस अवसर पर बीडीपीओ अमित कुमार समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569
आवश्यकता है
♦ हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
♦ उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
♦ ग्रामीण संवाददाता ♦ फोटोग्राफर
♦ विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

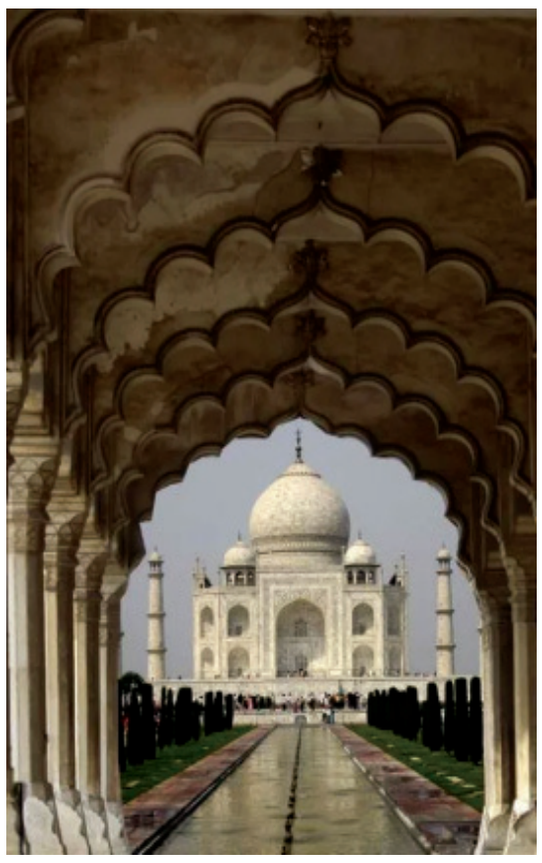

अगर आपने ताजमहल नहीं देखा तो अब देर न करिए

ताजमहल दुनिया के 7 अजूबों में से एक है। ताजमहल की खूबसूरती को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं और अगर आप भारत में रहकर भी अब तक ताजमहल नहीं देख पाए हैं तो अब और देर न करिए। जितनी जल्दी हो सके जाएं और देखकर आएं, इस ऐतिहासिक इमारत की खूबसूरती ने दुनियाभर के लोगों को अपना दीवाना बनाकर रखा है। इससे पहले की आप ताजमहल घूमने का प्लान बनाएं, हम यहां आपको इससे जुड़ी कुछ जरूरी बातें बता देना चाहते हैं, जिससे की आपकी यह यात्रा बिना किसी परेशानी बिल्कुल आराम से बीते...

ताजमहल कैसे पहुंचें?

आगरा भारत का एक प्रमुख शहर है। इसलिए हवाई मार्ग हो या रेल मार्ग हो या फिर सड़क मार्ग। आगरा भारत वर्ष के सभी प्रमुख शहरों से सभी मार्ग द्वारा भलीभांति जुड़ा है।

हवाई मार्ग

अगर आप हवाई मार्ग द्वारा आगरा जा रहे है तो आगरा का पंडित दीनदयाल उपध्याय हवाई अड्डा ताज महल से 16 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से आप आसानी से टैक्सी या आटो द्वारा आसानी से ताजमहल पहुंच सकते है। महानगर होने के नाते यहा काफी ट्रैफिक रहता है। जिसके कारण आपको आगरा एयर पोर्ट से ताजमहल पहुंचने में लगभग 40 मिनट लग सकते हैं, अगर ट्रैफिक न हो तो यह मार्ग सिर्फ 20-25 मिनट का है।

रेल मार्ग

यदि आप रेल मार्ग द्वारा आगरा जा रहे हैं तो आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन से ताजमहल की दूरी लगभग 2.5 किमी है। रेलवे स्टेशन से ताजमहल के लिए ऑटो और रिक्शा वालों की काफी भीड़ लगी रहती है। अगर आपके पास भारी लगेज नही है तो आप आगरा के किले का बाहरी भाग के दर्शन करते हुए किले के सामने से होते हुए शिवाजी चौक से ताजमहल पहुंच सकते हैं। शिवाजी चौक से ताजमहल का सेप्रेट रास्ता गया है, जो पश्चिमी गेट पर जाता है। कार, टैक्सी या ऑटो से आने वाले यात्री भी इसी मार्ग से जाते हैं। इसी सेपरेट मार्ग पर कुछ दूरी पर ताजमहल कार पार्किंग है।

सड़क मार्ग

अगर आप कार द्वारा दिल्ली से आगरा जा रहे हैं तो नोयडा आगरा एक्सप्रेस वे से जा सकते हैं। यह सुविधाजनक एवं फास्टेट रूट है। इसके आलावा आप दिल्ली से मथुरा होते हुए पुराने हाइवे से भी आगरा पहुंच सकते हैं।

कार पार्किंग

ताजमहल कार पार्किंग से ताजमहल की दूरी लगभग 700-800 मीटर है। आप चाहे एयर पोर्ट से टैक्सी से जाएं या रेलवे स्टेशन से ऑटो से जाएं या फिर अपनी कार से जाएं पहुंचना आपको कार पार्किंग में ही है। कार पार्किंग पर पहुंचते ही आपको ऊंट गाड़ी और बैट्री गाड़ी वाले घेर लेंगे, क्योंकि कार पार्किंग से ताजमहल के बीच की इस दूरी में बैट्री गाड़ियां व ऊंट गाड़ियां चलती हैं, जो बीस से तीस रुपए प्रति सवारी लेते हैं। कार पार्किंग से आगे किसी भी तरह के प्राइवेट वाहनों के जाने की अनुमति नहीं होती है। आप कार पार्किंग से ताजमहल गेट तक पैदल भी जा सकते हैं। 700 मीटर की दूरी कोई ज्यादा नहीं होती है।

अमानती घर

मार्ग के रास्ते में स्थित अमानती घर में आप अपना सामान रख सकते हैं, क्योंकि ताजमहल के अंदर किसी भी प्रकार का अटैची, बेग (हैंड बेग को छोड़कर) किसी भी तरह का खाने-पीने का सामान खाना, बिस्कुट, चिप्स, पान, बीड़ी, सिगरेट (पानी की बोतल को छोड़कर) किसी भी तरह का हथियार चाकू व नशीले पदार्थ आदि अंदर ले जाना मना है। मोबाइल और कैमरा ले जा सकते हैं। बाकी आपके पास जो सामान है, उसे आप अमानती घर में सुरक्षित रख सकते हैं।

शूज कवर

यही टिकट खिड़की के पास ही आपको शूज कवर बेचने वाले भी मिल जाएंगे। उनसे आप बीस रुपए देकर शूज कवर खरीद लें, क्योंकि ताजमहल के संगमरमर के चबूतरे पर जूते-चप्पल लेकर जाना मना है। वही टिकट खिड़की के पास आपको गाइड और फोटोग्राफर घेर लेंगे, जो आपको कई तरह के प्रलोभन भी देंगे (जैसे - सॉटकट से अंदर ले जाना का) क्योंकि एंट्री गेट पर चैकिंग प्वाइंट पर काफी लंबी कतार होती है या तो आप उनसे सही एवं पहले ही मोल-भाव कर तय कर लें या फिर टिकट कांटर से पर्यटन विभाग द्वारा गाइड हायर कर सकते हैं। चैकिंग प्वाइंट पर महिला, पुरुष व विदेशियों की अलग-अलग लाइनें होती हैं। यहां ज्यादा समय नही लगता 20-25 मिनट में आप अंदर पहुंच सकते हैं।

अलग-अलग प्रवेश द्वार

ताजमहल में एंट्री करने के लिए तीन गेट्स हैं, जो पूर्व, पश्चिम और दक्षिण में मौदूद हैं। इन तीनों गेट्स में जिस गेट पर लोगों की भीड़ सबसे कम होती है वह है इसका पश्चिमी गेट। इस गेट से आप आसानी से ताजमहल के परिसर में एंट्री कर सकते हैं।

शुक्रवार को न जाएं ताजमहल

आमतौर पर ताजमहल रोजाना सुबह 6 से शाम 7 बजे तक खुला रहता है, लेकिन शुक्रवार को इसे नमाज के लिए बंद रखा जाता है। पूर्णमासी के दिन ताजमहल के गेट्स रात 8.30 बजे से 12.30 बजे तक खुले रहते हैं। चांद की रोशनी में ताजमहल बेहद खूबसूरत लगता है। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि रमजान के पवित्र महीने में आप रात के वक्त ताजमहल का दीदार नहीं कर सकते।

आगरा घूमने आए हैं तो ताजमहल को लास्ट में देखें

यहां हम आपको एक ट्रिक बता रहे हैं, जिससे आप ताजमहल के टिकट पर थोड़ा डिस्काउंट प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप आगरा में दो-तीन दिन के लिए हैं तो ताजमहल घूमने का प्लान अपनी यात्रा के आखिरी दिन रखिए। दरअसल अगर आगरा के किसी और टूरिस्ट डेस्टिनेशन जैसे आगरा फोर्ट से ताजमहल की टिकट खरीदते हैं तो आपको इस पर कुछ छूट मिल सकती है। यहां आपको इस बात का ध्यान रखना है कि जारी किए गए टिकट पर उसी दिन का स्टैंप हो जिस दिन आपको ताजमहल जाना है।

अलग लोगों के लिए अलग कीमत

अगर आप भारतीय हैं तो आपको ताजमहल देखने के लिए 50 रुपए की टिकट खरीदनी पड़ेगी। 15 साल से कम के बच्चों के लिए एंट्री फ्री है। विदेशी पर्यटकों के लिए टिकट का दाम 1100 रुपए है। आप इन टिकटों को एक दिन अडवांस में सुबह 10 से शाम 6 बजे के बीच आर्केलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के ऑफिस से ले सकते हैं।

क्या लेकर नहीं जा सकते ?

सुरक्षा कारणों से कुछ ऐसी चीजे हैं, जिनके साथ आप ताजमहल के अंदर नहीं जा सकते। ट्राईपॉड, मोबाइल फोन चार्जर, खाने-पीने की वस्तुएं व तंबाकू जैसी चीजें यहां बैन है। हालांकि यहां एक लॉकर रूम है, जहां आप अपने सामान को सुरक्षित तरीके से जमा कर सकते हैं और वापस लौटने पर यहां से अपने सामान को ले सकते हैं।

यह है बेस्ट सीजन

अगर मुमकिन हो तो ठंड के मौसम में ताजमहल घूमने का प्लान न बनाएं, क्योंकि कोहरे के कारण इसकी खूबसूरती खिल के बाहर नहीं आती। ताजमहल घूमने का बेस्ट सीजन होता है मार्च से जून। अगर आप ताजमहल घूमने का प्लान बना रहे हैं तो बस ऊपर बताई गई इन टिप्स का ध्यान रखें और अपनी ताज यात्रा को यादगार बनाएं।

ताजमहल के बारे में रोचक बातें, जो आपको नहीं होंगी पता

ताजमहल मुगल वास्तुकला का सबसे उत्कृष्ट नमूना है। मोहब्बत की इस निशानी को शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज के लिए बनाया था। दुनियाभर से करोड़ों की संख्या में पर्यटक ताजहमल देखने के लिए आगरा आते हैं। हर प्रेमी जोड़े की ख्वाहिश होती है कि वह ताजमहल जाकर अपनी प्रेमिका के साथ तस्वीर खिंचवाए। इश्क की इस निशानी को निहारे, संगमरमर की इमारत की खूबसूरती को अपनी स्मृतियों में कैद कर लें। आइए आपको ताजमहल के बारे में 10 रोचक बातें बताते हैं जो आपको सोचने पर मजबूर कर देंगी।

- ताजमहल के निर्माण में 22 साल लगे थे।
- 22,000 से ज्यादा मजदूरों ने ताजमहल के निर्माण में काम किया था।
- 1,000 हाथियों के जरिए ताजमहल के निर्माण सामग्री को लाया गया था।
- ताजमहल के निर्माण में उस वक्त 3.2 करोड़ रुपए का खर्च आया था।
- ताजमहल के निर्माण के लिए विभिन्न एशियाई देशों से बहुमूल्य पत्थरों को लाया गया था।
- 28 तरह के रत्नों को श्रीलंका से लेकर चीन और भारत के विभिन्न राज्यों से लाया गया था।
- संगमरमर के सफेद पत्थर को राजस्थान से लाया गया था।
- तिब्बत से नीला रत्न, श्रीलंका से पन्ना, पंजाब से जैस्पर और क्रिस्टल को चीन से मंगाया गया था।
- ताजमहल की वास्तु शैली में फारसी, तुर्क, भारतीय और इस्लामी वास्तुकला का मिश्रण है।
- ताजमहल का निर्माण 1632 ईश्वी में शुरू हुआ था और 1653 में गुम्बद बनकर तैयार हुआ।
- अगर आप भी मुहब्बत की इस सबसे विश्व प्रसिद्ध निशानी को देखना चाहते हैं तो ताजमहल जरूर जाएं।
- आप दिल्ली में रहते हैं तो सिर्फ ताज एक्सप्रेस हाईवे से सिर्फ साढ़े तीन घंटे में आगरा पहुंच सकते हैं।

बड़ी अद्भुत है ताजमहल के निर्माण की कहानी

यमुना नदी के किनारे सफेद पत्थरों से निर्मित अलौकिक सुंदरता की तस्वीर ताजमहल आज न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में अपनी पहचान बना चुका है। प्यार की इस निशानी को देखने के लिए दूर देशों से हजारों सैलानी यहां आते हैं। प्यार का प्रतीक माने जाने वाले ताजमहल की खूबसूरती जितनी चर्चा में रहती है, उतनी ही इसके बनने की कहानियां चर्चा में रहती हैं। ताजमहल को बनाने को लेकर अलग-अलग मिथ हैं। कहा जाता है कि मुमताज की याद में बनायी गई इस खूबसूरत इमारत जैसी कोई और इमारत न बने, इसलिए शाहजहां ने कारीगरों के हाथ कटवा दिए थे। ताजमहल को बनाने में करीब 20 हजार मजदूरों ने योगदान दिया था। और इसका काम करीब 22 साल तक चला।

हालांकि कारीगरों के हाथ कटवाने की एक और भी कहानी बताई जाती है। माना जाता है कि शाहजहां ने कारीगरों के हाथ नहीं कटवाए थे, बल्कि उनसे ताउम्र काम न करने का वादा लिया था, जिसके बदले में उन्हें जिंदगी भर वेतन दिया गया था। वहीं एक मिथक ये भी है कि शाहजहां ने ताजमहल ख्वाब में देखकर बनवाया था, लेकिन ताजमहल के नक्शे के हिसाब से इतिहासकारों की मानें तो इसके डिजाइन के लिए पूरी दुनिया के वास्तुशास्त्रों की मदद ली गई थी, लेकिन इसका सटीक डिजाइन किसने तैयार किया था, इसके बारे में कोई सबूत नहीं है। ताजमहल को लेकर ऐसे ही कई मिथक हैं जिनके बारे में कई तरह की कहानियां कही जाती हैं। बता दें कि ताजमहल शाहजहां की तीसरी बेगम मुमताज महल की मजार है। मुमताज के

गुजर जाने के बाद उनकी याद में शाहजहां ने ताजमहल बनवाया था। कहा जाता है कि मुमताज महल ने मरते वक्त मकबरा बनाए जाने की ख्वाहिश जताई थी, जिसके बाद शाहजहां ने ताजमहन बनावाया। ताजमहल को सफेद संगमरमर से बनवाया गया है। इसके चार कोनों में चार मीनारे हैं। शाहजहां ने इस अद्भुत चीज को बनवाने के लिए बगदाद और तुर्की से कारीगर बुलवाए थे। माना जाता है कि ताजमहल बनाने के लिए बगदाद से एक कारीगर बुलवाया गया, जो पत्थर पर घुमावदार अक्षरों को तराश सकता था।

इसी तरह बुखारा शहर से कारीगर को बुलवाया गया था, वह संगमरमर के पत्थर पर फूलों को तराशने में दक्ष था। वहीं गुंबदों का निर्माण करने के लिए तुर्की के इस्तम्बुल में रहने वाले दक्ष कारीगर को बुलाया गया और मिनारों का निर्माण करने के लिए समरकंद से दक्ष कारीगर को बुलवाया गया था और इस तरह अलग-अलग जगह से आए करीगरों ने ताजमहल बनाया था।

आगरा के अन्य दर्शनीय स्थल

आगरा में ताजमहल के अलावा अन्य दर्शनीय स्थल हैं, जो बरबस यहां आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इनमें प्रमुख हैं-

आगरा का लाल किलाः जिस स्थान पर आगरा का किला स्थित है, बहुत समय पहले यहां बादलगढ़ का किला हुआ करता था। हालांकि समय के साथ-साथ वह किला नष्ट हो गया था। मुगल सम्राट अकबर ने 1563 ई. से 1573 ईस्वी तक लगभग 8 वर्षों में बादलगढ किले के ध्वंस अवशेषों पर इस किले का निर्माण करवाया था। मुगल सम्राट अकबर ने इस किले में अकबरी महल, जहांगीरी महल, प्राचीर तथा प्रवेश द्वार अकबर ने बनवाए थे, जबकि शीश महल, खास महल, दीवाने आम और दीवाने खास तक मोती मस्जिद का निर्माण अकबर के पोते सम्राट शाहजहां ने करवाया था। इस किले में दिल्ली दरवाजा, अमरसिंह दरवाजा, दरियाई दरवाजा तथा दर्शनी दरवाजा नामक चार दरवाजे हैं। पर्यटको के लिए प्रवेश द्वार के रूप में अमर सिंह दरवाजा ही खुला होता है। किले के अंदर तीन मस्जिदें भी हैं – मीना मस्जिद, शाही मस्जिद और नगीना मस्जिद जो दर्शनीय है।

रामबागः यह बाग अपनी हरियाली और सुंदरता से यहां आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। बाबर द्वारा बनाए गए इस बाग के बारे में कहा जाता है कि यह भारत का पहला मुगल उद्यान था। इस बाग के सौंदर्य को पास बहती यमुना नदी और भी मनमोहक बना देती है।

प्यार की निशानी ताजमहल की ये 5 बातें आपको कर देंगी हैरान

ताजमहल, उसकी खूबसूरती और उससे जुड़ी खूबसूरत यादों के बारे में सभी बातें करते हैं। मगर इस धरोहर के बारे में जितना सुनों उतना कम ही लगता है, परंतु इसमें से कुछ हकीकत और कुछ फसाना भी हैं। हम यहां आपको ताजमहल से जुड़ी ऐसी 5 बातें बता रहे हैं, जो संभवतः आप नहीं जानते होंगे-

आगरा में नहीं बनना था ताजमहल

ताजमहल का निर्माण आगरा में नहीं होने वाला था, मुमताज महल जिसके लिए ताजमहल बनवाया गया था, उनकी मौत दरअसल आगरा में हुई ही नहीं थी, उनकी मौत बुरहानपुर में हुआ था, जो आज के समय में मध्य प्रदेश में है। शाहजहां ने ताज महल के लिए बुरहानपुर में ताप्ती नदी के ठीक किनारे एक जगह पसंद की थी, लेकिन बुरहानपुर में जरूरत के अनुसार सफेद मार्बल नहीं पहुंच सके, इसलिए बाद में ताजमहल आगरा में बनाने का फैसला किया गया। बुरहानपुर में ताप्ती नदी के किनारे आज भी वह जगह विरान पड़ी है।

क्या सच है कि काला ताजमहल भी होता ?:

ताजमहल के बारे में कहा जाता है कि शाहजहां यमुना के किनारे काले संगमरमर में ताजमहल की प्रतिकृति बनाना चाहते थे। शाहजहां को यह विचार जीन-बैप्टिस्ट टैवर्नियर नाम के एक यूरोपीय यात्री ने दिया था, जो 1665 में आगरा में था। दावा यह भी किया जाता है कि औरंगजेब के कारण शाहजहां की योजना पूरी नहीं हो सकी, क्योंकि औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को कैद कर लिया था। यमुना नदी से लगे महताब बाग में कुछ काले मार्बल देखे भी गए थे, लेकिन बाद में जांच परख के बाद इतिहासकारों और आर्केलॉजिस्ट सोसाइटी ने इस बात का खुलासा किया कि दरअसल महताब बाग में मिले काले मार्बल गंदगी के कारण काले पड़ गए हैं। वह मूल रूप से सफेद ही थे, इसलिए यह बात अफवाह से कम नहीं कि शाहजहां काले ताजमहल भी बनवाना चाहता था।

क्या सचमुच कारीगरों के हाथ काटे गए थे?

ताजमहल के बारे में यह कहा जाता है कि उसने ताजमहल बनाने वाले सभी कारीगरों के हाथ काट दिए थे और कुछ को मार भी दिया था, लेकिन इतिहास में कहीं भी इस बात का साक्ष्य नहीं पाया गया।

ताजमहल को उजाड़ना चाहते थे अंग्रेज?

ताजमहल से जुड़ी कहानियों में एक नाम और आता है, भारत के गर्वनर जनरल लॉर्ड विलियम बेनटिंक का। कहा जाता है कि लॉर्ड ताजमहल को गिराना चाहता था और उसके मार्बल की नीलामी करना चाहता था। इस बात के भी कहीं सबूत नहीं पाए गए। हालांकि उसके बायोग्राफर जॉन रोसेली ने अपनी किताब में एक जगह लिखा है कि आगरा फोर्ट को बनाने के बाद बचे हुए मार्बल्स को लॉर्ड ने नीलाम कर दिया था।

ताजमहल में लगा है एक लैंप

ताजमहल में एक लैंप लगा हुआ है। कहा जाता है कि इसे बनाने में दो वर्ष का वक्त लगा था। इसे खास ताजमहल की नक्काशी को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया था। इसे मिश्र के कुछ कलाकार और टोड्रोस बदीर नाम के आर्टिस्ट ने मिलकर बनाया था।

ताजमहल के रहस्य

- आपको यह जानकर हैरानी होगी की ताजमहल का आधार (नीव) लकड़ी पर टिकी है। इस लकड़ी की खासियत यह है कि यह लकड़ी जितनी पानी में रहती है, उतनी ही ज्यादा मजबूत होती है। यमुना नदी का पानी आज भी इस लकड़ी को मजबूत करता है।
- ताजमहल की छत में एक छेद है, जिसमें से बरसात के समय आज भी पानी टपकता है। इसके बारे में एक दंतकथा प्रचलित है कि शाहजहां ने ताजमहल बनने के बाद सभी कारीगरों के हाथ कटवाने का ऐलान कर दिया था। ऐसा माना जाता है कि शाहजहां चाहते थे कि ऐसी खूबसूरत इमारत दोबारा न बनाई जा सके। शाहजहां के इस फैसले से कारीगर नाराज हो गए, जिसके फलस्वरूप कारीगरों ने जानबूझकर ताजमहल के गुंबद में एक छेद छोड़ दिया था। हालांकि इस कहानी का कोई ऐतिहासिक सत्य नहीं है। ताजमहल का इतिहास में बस यह एक प्रचलित कथा है।
- सन् 1983 में ताजमहल को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया गया।
- ताजमहल का इतिहास का सबसे बड़ा पुरस्कार है कि ताजमहल दुनिया के सात अजूबो में शामिल है।
- ताजमहल में लगे फव्वारे किसी भी पाइप लाईन से नही जुड़े हैं। बल्कि हर फव्वारे के नीचे एक तांबे का टैंक बना हुआ है, जो सभी एक ही समय पर भरते हैं और दबाव बनने पर एक साथ सभी फव्वारे चल जाते हैं।
- ताजमहल वर्ल्ड में एक दिन में सबसे ज्यादा देखी जानी वाली इमारत है। ताजमहल को एक दिन में लगभग 12000 सैलानी देखते हैं।
- ताजमहल की कलाकृति में 28 तरह के कीमती पत्थरों को लगाया गया है।
- ताजमल की चारों मीनारें एक दूसरे की ओर झुकी हुई हैं।
- शाहजहां ने जब पहली बार ताजमहल का दीदार किया तो उसने कहा कि ये सिर्फ प्यार की कहानी बयां नहीं करेगा, बल्कि उन सबको दोष मुक्त भी करेगा, जो इस पाक जमीं पर अपने कदम रखेंगे और चांद सितारे इसकी गवाही देंगे।
- द्वितीय विश्व युद्ध 1971 भारत-पाक युद्ध के समय इस भव्य इमारत को सुरक्षा की दृष्टि से ताजमहल के चारों ओर बांस का सुरक्षा घेरा बनाकर उसे हरे रंग की चादर से ढक दिया गया था।

शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ बंद

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेत मिलने के साथ ही लिवाली से बाजार में ये बढ़त आई। एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में खरीदारी से भी बाजार ऊपर आया । दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 110.58 अंक करीब14 फीसदी बढ़त लेकर 80,956.33 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.04 फीसदी तकरीबन 10.30 अंक बढ़कर 24,467.45 के स्तर पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की कंपनियों में एचडीएफसी बैंकअपने नए शीर्ष स्तर पर पहुंच गया। एचडीएफ़सी 1.82 फीसदी उछलकर 18 60.05 रुपये पर बंद हुआ। यह शेयर पिछले एक महीने में 8.52 फीसदी बढ़ा है। वहीं पिछले छह महीने के दौरान इसमें 25 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। इसके अलावा एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, आईटीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस के शेयर भी उछले हैं। वहीं भारती एयरटेल के शेयर में आज सबसे अधिक गिरावट रही । इसके अलावा टाटा मोटर्स, अदानी पोर्ट्स, पावर ग्रिड, मारुति, रिलायंस के शेयर भी नीचे आकर बंद हुए। एचडीएफसी बैंक और आईटी स्टॉक्स के शेयरों में खरीदारी से भी बाजार में आज उछाल आया है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की हालिया खरीदारी से भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। , एशिआई बाजारों में गिरावट के बाद भी घरेलू बाजारों में मजबूती रही।

वहीं गत सत्र में भी बाजार में तेजी रही थी। इससे पहले आज सुबह बुधवार बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स करीब 190 अंक की बढ़त लेकर 81,036.22 पर खुला। इसी तरह निफ्टी-50 भी बढ़त में खुला और 24,500 के पास पहुंच गया।

सीमेंट की कीमत पांच साल के निचले स्तर पर

- भविष्य में भी किसी महत्वपूर्ण मूल्य वृद्धि की उम्मीद नहीं

मुंबई।

सीमेंट की कीमतों में गिरावट से खुशखबरी मिली है क्योंकि यह सभी उम्मीदवारों के लिए आकर्षक है, जो अपने सपनों के घर की नींव रखने की सोच रहे हैं। सीमेंट सेक्टर में तेज प्रतिस्पर्धा से कंपनियों के बीच मूल्य घटाने की चुनौती देने वाली है। पिछले पांच साल के निचले स्तर पर पहुंचने से यह बड़ी कामयाबी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि मांग में कमी के कारण सीमेंट की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, जो कंपनियों के लिए मूल्य निर्धारण में चुनौती बना रही है। इसे स्थिति भविष्य में भी बनी रहने की संभावना है, और किसी महत्वपूर्ण मूल्य वृद्धि की उम्मीद नहीं है। रिपोर्टें के अनुसार वित्तीय वर्ष 25-26 तक मांग में सुधार की संभावना है, जो इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं, आवास मांग में पुनरुद्धार और रियल एस्टेट गतिविधियों से प्रेरित होगी। यह सीमेंट उद्योग के लिए बड़ी खुशखबरी है जिससे डिमांड-सप्लाई के बैलेंस में सुधार होगा। सीमेंट उद्योग की क्षमता में वृद्धि की उम्मीद है, जो वित्त वर्ष 25 और वित्त वर्ष 30 के बीच लगभग 90 मिलियन टन सीमेंट क्षमता जोड़ने की संभावना है। वित्त वर्ष 27 और वित्त वर्ष 28 तक क्षमता चाहे 703 मिलियन टन और 723 मिलियन टन तक पहुंच सकती है। इस पूरे सेक्टर में सीमेंट की कीमतों में गिरावट और उद्योग की क्षमता में वृद्धि के अनुसार लोगों के लिए अपने सपनों के घर की निर्माण में नए आसानियां खुली है।

भारत में 20 प्रतिशत साइबर अपराधों में हमलावरों ने डार्क वेब का किया इस्तेमालः रिपोर्ट

– पिछले साल एम्स पर रैंसमवेयर हमलों के लिए भी डार्क वेब का इस्तेमाल हुआ था

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत में कम से कम 20 प्रतिशत साइबर अपराधों को डार्क वेब का इस्तेमाल करके किया जा रहा है, एक रिपोर्ट में उजागर किया गया है।

डार्क वेब एक मंच है जिसे उपयोगकर्ता विशेष उपकरणों का इस्तेमाल करके पहुंच सकते हैं, पहचान करना और स्थान पता लगाना मुश्किल होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में करीब 20 प्रतिशत साइबर अपराधों में हमलावरों ने डार्क वेब का सहारा लिया है। ये अपराध डेटा सेंधमारी, हैकिंग, रैंसमवेयर आदि जैसे गंभीर अपराधों की ओर संकेत कर रहे हैं। गुरुग्राम स्थित लिसिएंथस टेक के सीईओ ने बताया कि एक व्यक्ति को डार्क वेब के माध्यम से गांजा बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पिछले साल, एम्स पर रैंसमवेयर हमलों के लिए भी डार्क वेब का इस्तेमाल हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक डार्क वेब का इस्तेमाल पिछले दशक में दोगुना हो गया है। साइबर सुरक्षा के मामले में उपयोगकर्ताओं को अलर्ट रहने की जरूरत है।

आंध्र प्रदेशः अदाणी ग्रीन सौर ऊर्जा परियोजना में मंजूरी का मुद्दा

- ग्रामीण इलाकों और कृषि क्षेत्रों को सस्ती बिजली मुफ्त मिलने की योजना का मामला

मुंबई।

आंध्र प्रदेश के पिछले मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के शासनकाल में 2021 में विवादास्पद अदाणी ग्रीन सौर ऊर्जा परियोजना को नियामकीय मंजूरी मांगी गई थी। इस परियोजना के तहत ग्रामीण इलाकों और कृषि क्षेत्रों को सस्ती बिजली मुफ्त मिलने की योजना थी लेकिन इस परियोजना के चारों ओर विवाद उभरने लगे हैं। 2021 से 2024 के बीच, आंध्र प्रदेश विद्युत नियामक आयोग (एपीईआरसी) और केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) के बीच हुई जानकारियों से पता चलता है कि प्रोजेक्ट की शर्तों में ग्रामीण इलाकों को मुफ्त बिजली की 9 घंटे मिलने का दावा किया गया था। इसके साथ ही भारत सरकार के निर्धारित 500 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को पाने में योगदान देने की बात की गई थी। अदाणी ग्रीन और सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सेकी) के साथ हस्ताक्षरित बिजली बि'ी समझौते में तो यह सभी उद्देश्य शामिल थे, लेकिन यह समझौता एक विवाद की मंजूरी से गुजरना पड़ा। एसईसी की जांच के अनुसार, अदाणी ग्रीन और एज्योर पावर के अधिकारियों ने राज्य के अधिकारियों को रिश्वत की पेशकश की थी। इस कार्रवाई में कई कानूनी मामलों का सामना करना पड़ा है। सीईआरसी ने 2022 में आंध्र प्रदेश और अन्य राज्यों के बीच बिजली खरीद-बि'ी अनुबंध पर मंजूरी दी थी, जिसमें से 7 गीगावॉट बिजली आंध्र प्रदेश के लिए थी। बाकी भाग के अथवा पूरी खरीद को संभावित वारंट के कारण रोक दिया गया था। आंध्र प्रदेश सरकार ने अपने लिए इस परियोजना को ग्रामीण इलाकों में सीधे बिजली आपूर्ति करने के लिए एपी रूरल एग्रीकल्चर पावर सप्लाई कंपनी के साथ संपर्क स्थापित किया था। इस सभी विवादों और उलझनों से जगन मोहन रेड्डी की सरकार को उठने वाले चुनौतियों का सामना करना होगा। इस मुद्दे पर सरकार और नियामक संस्थानों के बीच सहयोग और सहयोग की आवश्यकता है ताकि सवालों का सही समाधान निकाला जा सके।

भारत के लिए 2025 के बजट की तैयारी शुरू

- इस बार का बजट होगा मोदी सरकार 3.0 का पहला बजट होगा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल के लिए 2025 के बजट की तैयारी की शुरूआत कर दी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विभिन्न सेक्टरों के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठकें शुरू की हैं। इन बैठकों में सरकार ने विभिन्न उद्योग संगठनों और विशेषज्ञों से राय लेने का फैसला किया है। वित्त मंत्री ने बताया कि वर्तमान वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था 5.4 प्रतिशत तक की दर से नीचे रही है और आगामी बजट में इस स्थिति को सुधारने की योजना बनाई जा रही है। इसके अलावा वित्त मंत्री ने किसान संगठनों, कृषि अर्थशास्त्रियों और एमएसएमई क्षेत्र से भी मिलकर बजट के मुद्दों पर चर्चा करने की योजना बताई है। इस बार का बजट होगा मोदी सरकार 3.0 का पहला बजट, जिसका ध्यान विकसित भारत के लक्ष्यों को हासिल करने पर होगा। वित्त मंत्री की बैठकों में श्रमिक संगठनों, वित्तीय क्षेत्रों और सेवा क्षेत्रों के प्रतिनिधियों से भी मिलने की संभावना है। बजट सरकार के लिए अहम दस्तावेज होता है जो आय और खर्च के लेखाजोखे के साथ-साथ राष्ट्रीय विकास की दिशा में महत्वपूर्ण नीतियों को जारी रखता है। इस साल का बजट संसद में एक फरवरी को पेश किया जाने की संभावना है, जिसमें विकसित भारत के सपने की मद्द करने वाली महत्वपूर्ण योजनाएं हो सकती हैं।

रुपया डॉलर के मुकाबले 84.68 पर स्थिर

- रुपया मंगलवार को चार पैसे की बढ़त के साथ 84.68 पर बंद हुआ

मुंबई (ईएमएस)। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 8 4.68 पर स्थिर रहा। विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में मजबूती और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ब्रेंट क्रूड में तेजी ने स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित किया, जबकि घरेलू शेयर बाजारों में तेजी की वजह से रुपये को थोड़ा समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.66 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव के मुकाबले दो पैसे की बढ़त को दिखाता है। शुरुआती सौदों के बाद पिछले बंद भाव के बराबर 84.68 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपया मंगलवार को चार पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.68 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 106.50 पर रहा।

क्रिसमस और नए साल में हवाई किराए में तेजी नहीं

- भारतीय विमानन कंपनियां दिसंबर में हर सप्ताह 22,645 उड़ानों का संचालन करेंगी

नई दिल्ली (ईएमएस)।

इस साल क्रिसमस और नए साल के दौरान यात्रा के लिए हवाई किराये में खास बढ़ोतरी नहीं हुई है। विमान ईंधन की कीमतों में नरमी, विभिन्न उड़ानों की मांग में तेजी की उमीद के कारण फिलहाल किराये नियंत्रण में दिख रहे हैं।

यात्रा वेबसाइट इग्जिगो के आंकड़ों के अनुसार 24 दिसंबर से 1 जनवरी के बीच यात्रा के लिए दिल्ली-गोवा मार्ग पर औसत हवाई किराया 9,301 रुपये रहा है, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले महज 2 फीसदी अधिक है। यह किराया 30 दिन पहले बुक किए गए टिकटों के हैं। दिल्ली-कोलकाता मार्ग भारत के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल है जहां हर सप्ताह 160 से अधिक उड़ानों का संचालन होता है। इग्जिगो के अनुसार 24 दिसंबर से 1 जनवरी के बीच इस मार्ग पर औसत हवाई किराये में एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 29.7 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। ये किराये प्रस्थान से 30 दिन पहले बुक किए गए टिकटों के हैं।

विमानन कंपनियों के अधिकारियों ने कहा कि हालिया सप्ताहों के दौरान लोड फैक्टर में लगातार मजबूती बनी हुई। उन्होंने कहा कि आगामी सप्ताहों में भी लोड फैक्टर में मजबूती बरकरार रहने के आसार हैं। एक अधिकारी ने कहा कि विमानों के जमीन पर खड़े होने एवं अन्य कारणों से कुछ क्षमता प्रभावित हुई है, लेकिन हवाई किराये में काफी हद तक स्थिरता बनी हुई है। आने वाले दिनों में क्रिसमस सप्ताह के लिए मांग बढ़ने की उमीद है। विमानन विश्लेषण फर्म सिरियम के अनुसार, भारतीय विमानन कंपनियां दिसंबर में हर सप्ताह 22,645 उड़ानों का संचालन करने वाली हैं जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले करीब 8 फीसदी अधिक है।

ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर की 33प्रतिशत कम हुई सेल

नई दिल्ली।

वाहन पोर्टल के डेटा के अनुसार, नवंबर 2024 में ओला इलेक्ट्रिक के 27,746 वाहनों का पंजीकरण हुआ, जो अक्टूबर की तुलना में 33प्रतिशत कम है। त्योहारी सीजन में रिकॉर्डतोड़ बि'ी के बाद इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में नवंबर का महीना कुछ निराशाजनक साबित हुआ है। प्रमुख ईवी निर्माता ओला इलेक्ट्रिक की मासिक बि'ी में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। अक्टूबर में यह आंकड़ा 40,000 यूनिट्स से अधिक था, जो कंपनी के लिए अब तक का एक बड़ा माइलस्टोन था। पंजीकरण में आई गिरावट ने ओला इलेक्ट्रिक के बाजार हिस्सेदारी पर भी असर डाला। नवंबर में कंपनी का मार्केट शेयर घटकर 24 प्रतिशत रह गया, जो अक्टूबर में 30प्रतिशत था। हालांकि, इसके बावजूद, ओला इलेक्ट्रिक दोपहिया ईवी बाजार में अपनी अग्रणी स्थिति बनाए हुए है। विश्लेषकों का मानना है कि बि'ी में इस गिरावट का कारण बढ़ती प्रतिस्पर्धा, प्रोडक्ट क्वालिटी से जुड़ी शिकायतें और खराब सर्विस का होना है। ओला इलेक्ट्रिक के अलावा, अन्य प्रमुख ईवी निर्माताओं की बि'ी भी प्रभावित हुई। टीवीएस मोटर के ईवी दोपहिया वाहनों के पंजीकरण में नवंबर के दौरान 13प्रतिशत की गिरावट आई और यह संख्या 26,036 यूनिट्स रही। हालांकि, टीवीएस की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 23प्रतिशत हो गई, जो अक्टूबर में 21.5प्रतिशत थी। बजाज ऑटो की स्थिति भी इसी तरह की रही। कंपनी ने नवंबर में 24,978 ईवी दोपहिया वाहनों का पंजीकरण किया, जो मासिक आधार पर 12प्रतिशत कम है। हालांकि, बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि हुई और यह 20प्रतिशत से बढ़कर 22प्रतिशत हो गई। एथर एनर्जी ने नवंबर में 12,217 यूनिट्स का पंजीकरण किया, जो अक्टूबर के 16,148 यूनिट्स के मुकाबले 24प्रतिशत कम है।

लगातार गिरती बि'ी ने कंपनी की बाजार स्थिति को प्रभावित किया है। बड़ी कंपनियों की बिक्री में गिरावट का असर कुल ईवी बाजार पर भी पड़ा। नवंबर में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का कुल पंजीकरण 1.14 लाख यूनिट्स रहा, जो अक्टूबर की तुलना में 18प्रतिशत कम है। हालांकि, सालाना आधार पर यह संख्या 23.5प्रतिशत अधिक रही, जिससे यह संकेत मिलता है कि लंबी अवधि में ईवी बाजार का प्रदर्शन सकारात्मक है। त्योहारी सीजन के बाद की यह मंदी दर्शाती है कि इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है।

देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में नवंबर महीने में मामूली गिरावट

- रोजगार वृद्धि 2005 के बाद सबसे तेज

नई दिल्ली। देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में नवंबर महीने में मामूली गिरावट दर्ज की गई है, हालांकि रोजगार में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। एचएसबीसी इंडिया सेवा व्यवसाय गतिविधि सूचकांक ने अक्टूबर से नवंबर तक मामूली गिरावट सांकेतिक है। इस गिरावट से अंग्रेजी भाषा के प्रीमियम सूचकांक में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से होता है। एचएसबीसी के एक मुख्य अर्थशास्त्री ने इस वृद्धि दर को तारीफ की और बताया कि रोजगार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह गति अत्यंत तेज बढ़ी है, जो इस सर्वेक्षण के शुरू होने के बाद सबसे अच्छी है। उन्होंने कहा कि कारोबारी आत्मविश्वास में सुधार, नए ऑर्डर में वृद्धि और अंतरराष्ट्रीय मांग का जोरदार दिखावा है। सर्वेक्षण में शामिल लोगों ने निर्यात ऑर्डरों में सुधार का संकेत देते हुए यह बताया कि मांग में इजाफा देखा गया है। लेकिन कच्चे माल की कीमतों का वृद्धि और श्रम लागत की बढ़त से मुद्रास्फीति पर दबाव बना रहा है।

अमेजन ने फाउंडेशन मॉडल की नई पीढ़ी 'नोवा' की घोषणा की

- नए सेट में अमेजन नोवा माइक्रो, अमेजन नोवा लाइट और अमेजन नोवा प्रो शामिल

लास वेगास। अमेजन ने एडब्ल्यूएस के वार्षिक कार्यक्रम 'रीइन्वेंट' में एक बड़ी घोषणा की है। उन्होंने एक नई पीढ़ी के अक्षमता श्रृंखला नोवा का बोलबाला किया है। अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) की क्लाउड कंप्यूटिंग शाखा का फाउंडेशन मॉडल को 'नोवा' कहा जा रहा है। इस नई सेट में अमेजन नोवा माइक्रो, अमेजन नोवा लाइट और अमेजन नोवा प्रो शामिल हैं, जो अब उपलब्ध हैं। अमेजन नोवा प्रीमियर की भी जल्दी होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हम अपने फ्रंटियर मॉडल पर काम कर रहे हैं जो पिछले कुछ महीनों में बहुत प्रगति कर रहा है। हमारी उम्मीद है कि यह नया मॉडल भी हमें सफलता देगा। एडब्ल्यूएस के पूर्व सीईओ ने एक और धमाकेदार घोषणा की, जिसमें इमेज-जनरेशन मॉडल, अमेजन नोवा कैनवस और वीडियो-जनरेटिंग मॉडल शामिल हैं। इस नयी नई पीढ़ी ने तकनीकी दुनिया को दी है नई उम्मीदें।

एंटलर इंडिया 2025 में 50 स्टार्टअप में निवेश करेगा

– 2.5 करोड़ डॉलर का निवेश किया जाएगा

नई दिल्ली। एंटलर इंडिया एक व्यापक उद्यम पूंजी कंपनी ने एक एम्बिशनस प्लान की घोषणा की है कि 2025 में 50 स्टार्टअप कंपनियों में 2.5 करोड़ डॉलर का निवेश किया जाएगा। कंपनी ने इस प्लान के बारे में बुधवार को जानकारी दी। पिछले साल, एंटलर इंडिया ने अपने पहले 7.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर के कोष के माध्यम से 30 स्टार्टअप कंपनियों में निवेश किया था। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनकी योजना अगले साल निवेश को और बढ़ाने की है, और 2025 में 50 स्टार्टअप में निवेश करने की है। अधिकारी ने कहा कि वर्ष 2024 में वे 30 कंपनियों में निवेश कर चुके हैं, जिन्हें ने उनकी कंपनी के विचारों को सत्यापित करने और मजबूत दल बनाने का मौका दिया। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि उन्हें शुरुआती ग्राहकों को प्राप्त करने का अवसर मिला। एंटलर इंडिया की इस योजना से स्थानीय उद्यमियों और नौजवान उद्यमकर्ताओं के लिए एक साफ़ संकेत मिल रहा है कि भविष्य में वे अधिक संभावना से उनके सपनों को पूरा कर सकते हैं।

देश में वर्ष 2030 तक 3.12 करोड़ किफायती आवासों की होगी कमीः रिपोर्ट

किफायती आवासों का संभावित बाजार आकार 67 लाख करोड़ है

नई दिल्ली। भारत में 2030 तक 3.12 करोड़ किफायती आवासों की कमी होने का अनुमान है, जिसका संभावित बाजार आकार 67 लाख करोड़ रुपये है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और रियल एस्टेट सलाहकार ने एक संयुक्त रिपोर्ट में इस अंतिमता का मापदंड रखा। नाइट फ्रैंक इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि किफायती आवास की कमी अभी से मौजूद है और यह एक बड़ा व्यावसायिक अवसर है, विशेषकर रियल एस्टेट डेवलपरों के लिए। उन्होंने कहा कि इस खंड में आवास वित्त संस्थाएं के लिए भी कई अवसर हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि किफायती आवास क्षेत्र वित्तीय संस्थाओं के लिए 45000 अरब रुपये तक का संभावित वित्तपोषण प्रदान कर सकता है। इससे भारतीय उद्योग में वृद्धि दर्शायी जा सकती है, जो इस खंड में मौजूदा ऋण मात्रा से तीन गुणा है। सारांश में, भारत में किफायती आवासों की कमी ने नए व्यापारिक अवसरों का संकेत दिया है, जिससे रियल एस्टेट उद्योग में वृद्धि की संभावना है।

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क का फिर से खारिज किया गया पैकेज

- टेस्ला के शेयर मूल्य में 1.4 फीसदी की गिरावट आई

नई दिल्ली। अमेरिका के डेलावेयर की एक अदालत ने टेस्ला की माननीय सीईओ एलन मस्क के अत्यधिक सैलरी पैकेज को एक बार फिर से खारिज कर दिया है। इस विवादित पैकेज को टेस्ला के शेयरधारकों ने पुनर्विचार करने के लिए मतदान किया था, लेकिन जज कैथलीन मैककॉर्मिक ने अपने पहले फैसले को वापस नहीं लिया। 2018 में टेस्ला के बोर्ड ने मस्क के 2.6 बिलियन के सैलरी पैकेज को मंजूर किया था, लेकिन अब इसकी कीमत 56 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई थी। इस फैसले के बाद टेस्ला के शेयर मूल्य में 1.4 फीसदी की गिरावट आई। लेकिन मस्क के पास इस फैसले के खिलाफ अपील करने का अधिकार है। जज ने फैसले में कहा कि मस्क का प्रस्तावित सैलरी पैकेज अत्यधिक है और यह शेयरहोल्ड्स के हित में नहीं है। टेस्ला की तरफ से भ्रामक जानकारी भी दी गई थी जिसके कारण जज ने यह फैसला सुनाया। इस फैसले के बाद मस्क और टेस्ला के वकीलों को 345 मिलियन डॉलर का मुआवजा देने का भी आदेश दिया गया है। वकीलों ने 10 बिलियन डॉल्र की मांग की थी।

लोकसभा में बैंकिंग लॉ अमेंडमेंट बिल 2024 पास

- बैंक खाते में अब एक की जगह जोड़ सकेंगे 4 नॉमिनी

नई दिल्ली। लोकसभा में बैंकिंग अमेंडमेंट बिल 2024 पारित हो गया है, जिससे भारतीय बैंक कार्यप्रणाली में कई महत्वपूर्ण सुधार होंगे। यह बिल बारह साल में बैंक खाते में चार नॉमिनी की स्थापना की अनुमति देता है, जिससे निवेशकों की सुरक्षा में सुधार होगा। अब निवेशक आईईपीएफ के माध्यम से डिविडेंड, शेयर, इंटरेस्ट और बॉन्ड की रकम का दावा कर सकेंगे। बिल द्वारा स्थापित किए गए नियमों के अनुसार, बैंक खाताधारकों को पैसे देने के लिए दो विकल्प उपलब्ध होंगे। इन नियमों के माध्यम से अनक्लेम्ड धन को सही उत्तराधिकारी तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। बैंकिंग अमेंडमेंट विधेयक के लागू होने से सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक के डायरेक्टर्स को अब स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक में भी काम करने की अनुमति मिलेगी। डायरेक्टर्स का कार्यकाल अब 10 साल तक बढ़ा दिया गया है। इस अद्यतनीकरण के माध्यम से सरकारी बैंकों को ऑडिटर्स की फीस तय करने और उच्चस्तरीय प्रतिष्ठित कामगारों को भर्ती करने की अनुमति होगी। यह बदलाव बैंक की ऑडिट क्षमता को मजबूत करेगा। साथ ही बैंकों को भारतीय रिजर्व बैंक को रिपोर्ट देने की समय सीमा में बदलाव करने की भी अनुमति होगी। इससे बैंकों को रिपोर्ट प्रस्तुत करने में अधिक विश्वसनीयता और सुचारूति मिलेगी।

आईसीसी रैंकिंग में यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली को बड़ा नुकसान, बुमराह की बादशाहत कायम

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी ने ताजा टेस्ट रैंकिंग जारी कर दी है। इस रैंकिंग में भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली को नुकसान हुआ है। जबकि जसप्रीत बुमराह की बादशाहत कायम है। दरअसल, पिछले हफ्ते के अपडेट में दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच खेले गए पहले टेस्ट के अलावा न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच खेले गए पहले टेस्ट को भई शामिल किया गया है।

वहीं टेस्ट रैंकिंग की बात करें तो, इंग्लैंड के जो रूट पहले स्थान पर बने हुए हैं जबकि इंग्लैंड के ही हैरी ब्रूक दो स्थान के फायदे से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के केन विलियमसन तीसरे स्थान पर हैं तो भारत के यशस्वी जायसवाल दो स्थान के नुकसान के साथ चौथे नंबर पर खिसक गए हैं। श्रीलंका के कमिंडू मेंडिस दो स्थान के फायदे से अब सातवें नंबर पर हैं तो साउथ अफ्रीका के टेम्बा बावुमा 14 स्थान के जबरदस्त फायदे से सीधे 10वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

इसके अलावा भारतीय सलामी बल्लेबाज विराट कोहली टॉप 10 से बाहर हो गए हैं, उन्हें एक स्थान का नुकसान हुआ और वह अब 14वें स्थान पर हैं। श्रीलंका के धनंजय डी सिल्वा एक स्थान के फायदे से 15वें तो दिनेश चंडीमल दो स्थान के फायदे से 17वें पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के ओली पोप आठ स्थान के फायदे से 32वें नंबर पर तो बेन स्टोक्स सात स्थान के फायदे से 34वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

हालांकि, टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पहले और दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा उनके बाद दूसरे स्थान पर कायम हैं। श्रीलंका के प्रभात जयसूर्या तीन स्थआन के नुकसान से आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं डरबन टेस्ट में 11 विकेट अपने नाम करने वाले दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसेन 19 स्थान के जबरदस्त फायदे से सीधे 9वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

सचिन की बेटी सारा तेंदुलकर बनी एसटीएफ इंडिया फाउंडेशन की डायरेक्टर

मुम्बई (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का फाउंडेशन (एसटीएफ इंडिया) मुख्य रूप से गरीब बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य और खेल से जोड़ने का काम करता है की कमान अब उनकी बेटी सारा तेंदुलकर संभालेंगी। सचिन ने सोशल मीडिया पर बताया कि उनकी बेटी सारा अब इस फाउंडेशन में डायरेक्टर के पद पर काम करेंगी।

तेंदुलकर ने अपने पोस्ट में कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मेरी बेटी सारा तेंदुलकर एसटीएफ इंडिया में डायरेक्टर के तौर पर शामिल हो गई हैं। अब सारा भारत में खेल, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा के माध्यम से समाज को सशक्त बनाने की यात्रा पर निकल रही हैं।

सचिन ने यह भी साझा किया कि सारा तेंदुलकर ने फाउंडेशन के कार्यों में अपनी भागीदारी शुरू कर दी है और उन्होंने कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं, जिनमें सारा बच्चों के साथ समय बिताती हुई नजर आ रही हैं। तस्वीरों में सारा बच्चों के साथ बैठी हुई मस्ती करती दिखाई दे रही हैं, जो यह दर्शाती है कि वह न केवल एक नेतृत्वकर्ता के रूप में, बल्कि एक प्रेरणादायक और सहयोगात्मक भूमिका में भी सक्रिय हैं।

सचिन की इस फाउंडेशन का उद्देश्य भारत के गरीब बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और खेल के माध्यम से एक बेहतर भविष्य देना है। इस फाउंडेशन के को-फाउंडर और डायरेक्टर सचिन और उनकी पत्नी अंजलि तेंदुलकर हैं। अब सारा के इस महत्वपूर्ण पद पर आसीन होने से फाउंडेशन के कार्यों को और गति मिलेगी और यह उम्मीद जताई जा रही है कि वह अपने पिता के दृष्टिकोण और मिशन को और आगे बढ़ाएंगी।

सब जूनियर खिलाड़ियों के साथ अनुभव अच्छा रहा : रानी

रोहतक (एजेंसी)। पिछले महीने माह ही हॉकी को अलविदा भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल आजकल जूनियर महिला टीम की कोच के तौर पर काम कर रही हैं। इसी को लेकर रानी ने कहा, ''सब जूनियर खिलाड़ियों के साथ काम करने का मेरा

अनुभव बहुत अच्छा रहा और मैंने इससे काफी कुछ सीखा। वे युवा लड़कियां थीं जो मेरे जैसी ही पृष्ठभूमि से आती हैं। उनकी परेशानियों को समझना और उनका मार्गदर्शन करना आसान था।'' उन्होंने कोच के तौर पर अपने अनुभव के बारे में कहा,''मैंने उनसे कहा कि अगर मैं सफल हो सकती हूं तो आप भी हो सकती हो। उन्हें मार्गदर्शन की जरूरत है और मैंने उनके साथ अपने अनुभव साझा करके उन्हें वह मार्गदर्शन देने का प्रयास किया है।'' वह आगामी हॉकी इंडिया लीग में सूरमा हॉकी क्लब के लिए मेंटर (मार्गदर्शक) के रूप में भी काम करेगी। इसमें पहली बार महिलाओं का टूर्नामेंट भी होगा। रानी ने साल 2008 में 14 साल की उम्र में ओलंपिक क्वालीफायर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया था। इसलिए उन्हें पता है कि एक युवा खिलाड़ी किस तरहके दबाव का अनुभव करता है। उन्होंने कहा,''मैं सूरमा क्लब की मेंटर बनने जा रही हूं इसलिए मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता से उस भूमिका को निभाने का प्रयास करुंगी। युवा खिलाड़ियों पर मानसिक और भावनात्मक रूप से प्रदर्शन करने का बहुत दबाव होता है। में इसमें उनकी मदद करना चाहूंगी। वहीं सीनियार हॉकी टीम को इस पूर्व कप्तान कहा है कि एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर भारतीय टीम ने एक प्रकार से 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों के लिए अपनी तैयारी शुरु कर दी है। इससे पता चलता है कि टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है। रानी ने कहा, ''एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की जीत हमारी महिला हॉकी टीम को और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। यह अच्छी शुरुआत है। इससे तय है कि कोच हरेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी।''

भारतीय महिला टीम के सामने ऑस्ट्रेलिया को उसके गढ़ में हराने की कड़ी चुनौती

ब्रिसबेन (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया की पुरूष टीमों के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को लेकर बनी हाइप के बीच दोनों देशों की महिला क्रिकेट टीमें बृहस्पतिवार से यहां एलेन बॉर्डर फील्ड पर तीन मैचों की वनडे श्रृंखला खेलेगी तो हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम की नजरें ऑस्ट्रेलिया में अपना रिकॉर्ड दुरूस्त करके अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारियों का आगाज करने पर होंगी।

अक्टूबर में टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाने में विफल रही भारतीय टीम ने पिछले महीने न्यूजीलैंड को घरेलू वनडे श्रृंखला में 2-1 से हराया। ऑस्ट्रेलिया की चुनौती हालांकि भारत के लिये हमेशा कठिन रही है जिसने यहां अब तक सोलह वनडे में से चार ही जीते हैं। पिछली बार 2021 में यहां तीन मैचों की श्रृंखला में आस्ट्रेलिया ने भारत को 2-1 से हराया था।

वहीं पिछले करीब 9 महीने से इस प्रारूप में नहीं खेली गत चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया की नजरें अगले साल

भारत में होने वाले वनडे विश्व कप से पहले खुद को आजमाने पर लगी होंगी। भारत की उम्मीदों का दारोमदार हालांकि अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना पर रहेगा जिन्होंने पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ निर्णायक वनडे में शतक जमाकर भारत को जीत दिलाई। उन पर इस लय को कायम रखते हुए भारत को ठोस शुरुआत देने की जिम्मेदारी रहेगी। उन्होंने पिछले छह वनडे में सत्तर से ऊपर की औसत से 448 रन बनाए हैं।

दूसरी ओर आस्ट्रेलिया को कप्तान एलिसा हीली की कमी खलेगी जो घुटने की चोट के कारण बाहर हैं। यह श्रृंखला आईसीसी महिला चैम्पियनशिप का हिस्सा है जिसमें आस्ट्रेलिया फिलहाल 18 में से 13 वनडे जीतकर पहले स्थान पर है। इस चैम्पियनशिप से मेजबान भारत के अलावा पांच टीमों को अगले साल होने वाले विश्व कप में स्वत: जगह मिलेगी। हीली की जगह क्रीसलैंड और सिडनी थंडर्स की बल्लेबाज जॉर्जिया वोल को पदार्पण का मौका दिया गया है। हरफनमौला ताहलिया मैकग्रा टीम की कमान संभालेंगी जिनके प्रदर्शन पर बहुत कुछ निभर करेगा।

मैकग्रा ने कहा, 'भारतीय टीम में कई बड़े खिलाड़ी है। उनके खिलाफ हर मुकाबला कड़ी टक्कर वाला होता है। मैच में कई अहम क्षण होते हैं। हमारे घरेलू मैचों में भी भारतीय टीम को दर्शकों का काफी समर्थन मिलता है।' भारतीय टीम को विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया की कमी खलेगी जो महिला बिग बैश लीग के दौरान मेलबर्न स्टार्स के लिये खेलते हुए कलाई की चोट का शिकार हो गई। उनकी जगह टीम में शामिल की गई युवा विकेटकीपर उमा छेत्री अपनी पहली वनडे श्रृंखला में छाप छोड़ना चाहेंगी।

टीम

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, उमा छेत्री, हरलीन देयोल, रिचा घोष, तेजल हसाबनिस, मिन्नू मनी, प्रिया मिश्रा, प्रिया पूनिया, अरूंधति रेड्डी, जेमिमा रौड्रिग्स, टिटास साधू, दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर, साइमा ठाकौर, राधा यादव।

ऑस्ट्रेलिया: ताहलिया मैकग्रा (कप्तान), एशले गार्डनर, डार्सी ब्राउन, किम गार्थ, अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, सोफी मोलिनू, बेथ मूनी, एलिसे पैरी, मेगान शट, अनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

बुमराह का सामना करने तैयार हैं : कैरी

एडीलेड। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने कहा कि उनकी टीम छह दिसंबर से यहां शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में भारतीय गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। कैरी ने कहा कि गुलाबी गेंद से खेले जाने वाले दिन-रात के इस मैच में बुमराह सहित अन्य भारतीय गेंदबाजों का सामना सामना करने वह बेहतर रणनीत के साथ उतरेंगे। बुमराह ने पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में आठ विकेट लेकर मेजबान टीम की बल्लेबाजों को ढ़हा दिया था। कैरी ने कहा,'' बुमराह निश्चित तौर पर शानदार गेंदबाज हैं और वह पिछले कई वर्षों से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है पर हमारे बल्लेबाज भी किसी भी आक्रामण का जवाब देने का तरीका खोज ही लेते हैं।''

उन्होंने कहा,''हमने उसकी गेंदबाजी का आंकलन किया है। उम्मीद है कि हम उसके पहले दूसरे स्पेल का सामना करने में सफल रहेंगे। हमने पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में देखा था कि किस तरह से ट्रैविस हेड ने उसे जवाब दिया था।''उन्होंने कहा,''हमें अपने बल्लेबाजों पर पूरा भरोसा है। हम केवल बुमराह ही नहीं, उनके अन्य गेंदबाजों का सामना करने के लिए तरीका खोज लेंगे। भारतीय टीम पहले टेस्ट मैच में कुछ नए गेंदबाजों के साथ उतरी थी और उन्होंने भी अच्छी गेंदबाजी की थी।''वहीं जोश हेज़लवुड के बल्लेबाजों को लेकर दिये बयान के बाद जहां टीम में दरार की बात की जा रही है वहीं कैरी ने इससे साफ इंकार करते हुए कहा कि ड्रेसिंग रूम में किसी तरह का कोई तनाव नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी बल्लेबाज बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं और मैदान पर उतरने के बाद उनका लक्ष्य शतक लगाना रहता है।

यशस्वी जायसवाल वहीं खड़ा है जहां मैं 10 साल पहले था : केएल राहुल

एडीलेड। लोकेश राहुल को 22 वर्षीय यशस्वी जायसवाल में अपनी झलक दिखती है जो अपने पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उसी स्थिति में नजर आ रहे हैं जैसे वह 10 वर्ष पूर्व अपनी शुरुआती ऑस्ट्रेलिया दौरे पर थे। राहुल ने 2014-15 की

श्रृंखला में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर पदार्पण करते हुए छठे नंबर पर बल्लेबाजी की थी और तीन तथा एक रन की पारी खेली थी। उन्होंने हालांकि अगले ही मैच में सलामी बल्लेबाज के रूप में जोरदार वापसी करते हुए सिडनी में 110 रन बनाकर सभी का ध्यान खींचा था। सिडनी में दूसरी पारी में राहुल नर्वस दिखे थे जहां उन्होंने मुरली विजय के साथ एक घंटा बल्लेबाजी करते हुए 16 रन बनाए थे। राहुल जायसवाल के साथ वही भूमिका निभाने की कोशिश कर रहे हैं जो पूर्व सलामी बल्लेबाज और राष्ट्रीय टीम के सीनियर साथी विजय ने उनके साथ निभाई थी। राहुल और जायसवाल ने पर्थ में पहले टेस्ट की दूसरी पारी में पारी का आगाज करते हुए 201 रन की साझेदारी की थी जो भारतीय रिकॉर्ड है। जायसवाल ने पर्थ में शतक जड़ा था जबकि राहुल ने 77 रन बनाए थे। जायसवाल के साथ अपनी बातचीत के बारे में पूछे जाने पर राहुल ने कहा, 'मैंने उसमें खुद को देखा, जैसा कि मैं 10 साल पहले था, पहली बार पारी का आगाज कर रहा था, बहुत सारे संदेह, बहुत सारी घबराहट और आप अपने खेल पर संदेह करते रहते हैं और आपके दिमाग में बहुत कुछ चलता रहता है और इसलिए आप बस इतना कर सकते हैं कि चीजों को धीमा करने की कोशिश करें, कुछ गहरी सांसें लेने की कोशिश करें।'

वेस्टइंडीज में 15 साल बाद टेस्ट जीती बंगलादेश, यह क्रिकेटर बना हीरो

किंग्स्टन (एजेंसी)। तैजुल इस्लाम (5 विकेट), नाहिद राणा (5 विकेट) और जाकेर अली (91) रनों की शानदार पारी के दम पर बंगलादेश की टेस्ट टीम ने इतिहास रचते हुए 15 साल बाद वेस्टइंडीज को उसी के घर में दूसरे टेस्ट मैच में 101 रनों से शिकस्त दी है। इसी के साथ बंगलादेश ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है। टेस्ट में यह तीसरा बार है जब बंगलादेश ने वेस्टइंडीज को उसी के घर में हराया है। इससे पहले उसने 2009 में किंग्स्टन में 97 रनों तथा सेंट जॉर्ज में 4 विकेट से हराया था। बंगलादेश ने दूसरी पारी में जाकिर अली ने (91) की महत्वूपर्ण पारी की बदौलत वेस्टइंडीज के सामने 287 रन का लक्ष्य रखा।

दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की ओर से केवल कावेम हॉज (55) और कप्तान क्रैग ब्रैथवेट (43) संघर्षपूर्ण पारी खेली। जस्टिन ग्रीव्स (20), केसी कार्टी (14) और जॉशुआ डासिल्वा (12) रन बनाए। बंगलादेश के गेंदबाजी आक्रमण के आगे वेस्टइंडीज के 6 बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। बंगलादेश के गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज

की पूरी टीम 50 ओवर में 185 रनों पर समेट कर 101 रनों से मुकाबला जीत लिया। बंगलादेश की ओर से तैजुल इस्लाम ने 5 विकेट लिए। हसन महमूद और तसकीन अहमद को 2-2 विकेट मिले। नाहिद राणा ने एक बल्लेबाज को आउट किया। तैजुल इस्लाम को शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया%।

तैजुल इस्लाम ने दूसरे टेस्ट की पहली पारी में एक विकेट और दूसरी पारी में 5 विकेट झटकते हुए कुल 6 विकेट लिए। इससे पहले बंगलादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 71.5 ओवर में 164 रन ही बना सकी थी। बंगलादेश के लिए पहली पारी में शादमान इस्लाम (64) शहादत हुसैन दीपू (22), कप्तान मेहदी हसन मिराज (36), महमूदुल हसन जॉय (3), लिटन दास (एक) और जेकर अली (एक) रन बनाकर आउट हुए। वेस्टइंडीज की ओर जेडेन सील्स ने 4 और शमार जोसेफ ने 3 विकेट लिए। केमार रोच को 2 विकेट मिले।

अल्जारी जोसेफ ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज को नाहिद राणा (पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर बंगलादेश ने 65 ओवर में 146 रन पर ढेर कर दिया। वेस्टइंडीज के लिए क्रेग ब्रैथवेट (39), केसी कार्टी (40), मिकाइल लुईस (12) रनों की पारी खेली। 8 बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। बंगलादेश की ओर से नाहिद राणा ने पांच विकेट लिए। हसन महमूद को 2 विकेट मिले। तसकीन अहमद, तैजुल इस्लाम और मेहदी हसन मिराज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

बंगलादेश ने दूसरी पारी में जाकर अली (91),शादमान इस्लाम (46), कप्तान मेहदी हसन मिराज (42), शहादत हुसैन (28), लिटन कुमार दास (25) और तैजुल इस्लाम (14) के योगदान से 268 रन बनाये और पहली पारी में मिली बढ़त के साथ वेस्टइंडीज को 287 रन का लक्ष्य दिया। वेस्टइंडीज की ओर से अल्जारी जोसेफ और केमार रोच ने तीन-तीन विकेट लिए। शमार जोसेफ ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। जेडेन सील्स और जस्टिन ग्रीव्स को एक-एक विकेट मिला था।

अल-साद ने अल-नासर को हराकर चैंपियंस लीग फुटबॉल के प्लेऑफ में प्रवेश किया

दोहा। कतर के क्लब अल-साद ने सऊदी अरब के क्लब अल-नासर को 2-1 से हराकर एएफसी चैंपियंस लीग एलीट फुटबॉल फुटबॉल टूर्नामेंट के प्लेऑफ में प्रवेश किया। ये जीत अल-साद के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि इस मैच में उसके स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डों शामिल नहीं थे। रोनाल्डो को इस मैच में आराम दिया गया था। अल-साद ने हाफ टाइम के 8 मिनट बाद अकरम अफीफ के गोल से 1-0 की बढ़त हासिल की। वहीं खेल समाप्त होने के कुछ मिनट पहले ही अल-नासर के रोमेन सैस ने एक गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। अल-साद टीम को इंजरी टाइम में पेनल्टी मिली जिसपर के एडम ओनास ने गोल कर उसकी बढ़त 2-1 कर दी। इस जीत से उत्साहित अल-साद के कोच फेलिक्स सांचेज़ ने कहा कि, ये एक मुश्किल मुकाबला था। हमने अल-नासर को गोल रोकने के लिए और उनके घरेलू स्टेडियम में जीत हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की। इस दौरान सभी खिलाड़ियों ने एकजुट होकर प्रयास किये। गौरतलब है कि ईरान के एस्टेघलाल क्लब द्वारा साऊदी अरब को 2-2 से बराबरी पर रखने के बाद अल अहली क्लब पहले स्थान पर था। जेद्दा में अल अहली के लिए दोनों गोल इवान टोनी ने किए। वहीं राफेल सिल्वा ने 42 मिनट के बाद ईरान टीम के लिए गोल किया पर टोनी ने एक गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। मोहम्मद होसैन एल्सामी ने एक बार फिर गोल कर एस्टेघलाल को बराबरी पर ला दिया।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए अभी किसी टीम का स्थान पक्का नहीं हुआ

मुम्बई। आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल के लिए अभी 15 मैच बाकी हैं पर किसी भी टीम की जगह अभी पक्की नहीं हुई है। न्यूजीलैंड की इंग्लैंड के खिलाफ हार के बाद जहां एक प्रकार से फाइनल की रेस से वह बाहर हो गयी है। वहीं भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका की टीमें रेस में बनी हुई हैं। इंग्लैंड ओर न्यूजीलैंड टेस्ट तक के अंकों के आधार पर अंतिम दो स्थानों के लिए अभी भी 6 टीमें रेस में बनी हुई हैं। हालांकि टूर्नामेंट के दौरान अंकों पर टीमों की संभावना को नुकसान भी पहुंचा सकती है। चैम्पियनशिप की शुरुआत टीमों के साथ हुई थी, जिनमें से बांग्लादेश, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड बाहर हो गयी हैं। इन दिनों वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के बीच आपसी श्रृंखला खेली जा रही है, लेकिन उसके नतीजे का असर विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की अंक तालिका पर नहीं पड़ेगा।

भारत - ऑस्ट्रेलिया से अगर भारतीय टीम तीन मैच जीतती है तो भारतीय टीम का जीत प्रतिशत 62.28 हो जाएगा और सिर्फ दक्षिण अफ्रीका आगे निकलने की स्थिति में रहेगा। यदि टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया से 2-3 से हारती भी है, तो भी लगातार तीसरे फाइनल का मौका बन सकता है। इसके लिए उसे न्यूजीलैंड-इंग्लैंड, अफ्रीका-श्रीलंका और अफ्रीका-पाक सीरीज 1-1 से ड्रॉ होनी चाहिए तथा दुआ करनी होगी कि ऑस्ट्रेलिया-श्रीलंका के बीच दो मैचों की सीरीज 0-0 पर खत्म हो।

दक्षिण अफ्रीका - श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट की सीरीज के पहले मैच में मिली जीत से अफ्रीका ने फाइनल की ओर एक और कदम बढ़ा दिया है। अफ्रीकी टीम के तीन मैच बचे हैं। इन सभी को जीतकर टीम निश्चित रूप से फाइनल में होगी। वहीं अफ्रीकी टीम अगर एक मैच भी हार जाती है तो 61.11 प्रतिशत अंक तक पहुंच सकेगी और फाइनल के लिए अन्य टीमों पर निर्भर हो जाएगी। इतने अंकों पर ऑस्ट्रेलिया, भारत और श्रीलंका के पास उससे आगे निकलने का मौका रहेगा।

ऑस्ट्रेलिया- ऑस्ट्रेलिया को अपने बल पर फाइनल में पहुंचने के लिए बचे 6 मैचों में कम से कम 4 जीत और 1 ड्रॉ चाहिए। ऐसा होने पर सिर्फ दक्षिण अफ्रीका उससे आगे जा सकता है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया अगर भारत के खिलाफ 2-3 से हारता भी है, तो श्रीलंका को 2-0 से स्वीप कर फाइनल में पहुंच सकता है। इस स्थिति में ऑस्ट्रेलिया भारत के 58.77 अंक से आगे 60.53 पर समाप्ति करेगा। यहां अब उसे केवल दक्षिण अफ्रीका पछाड़ सकता है।

श्रीलंका- श्रीलंका भी दक्षिण अफ्रीका जैसी स्थिति में है। उसके तीन मैच बचे हैं और ये सभी जीतकर टीम 61.54प्र. अंकों के साथ फाइनल में पहुंच सकती है। इस स्तर पर भारत या ऑस्ट्रेलिया में से कोई एक ही उससे आगे निकलने की स्थिति में होगा। वहीं एक मैच भी हारे तो चार अन्य टीम आगे निकल सकेंगी।

टी20 में मोहित अहलावत के नाम है तिहरे शतक का रिकार्ड

नई दिल्ली। युवा बल्लेबाज मोहित अहलावत के नाम टी20 क्रिकेट में तिहरे शतक का रिकार्ड है। मोहित ने दिल्ली के स्थानीय टूर्नामेंट फ्रेंड्स प्रीमियर लीग में मावी इलेवन की ओर से फ्रेंड्स इलेवन के खिलाफ 302 रन की नाबाद पारी खेली थी। मोहित ने इस मुकाबले में 39 छक्के लगाये। इससे पहले टी20 की एक पारी में किसी टीम के लिए सबसे ज्यादा छक्के 21 थे। ट्वेंटी20 के इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के की बात करें तो रिकॉर्ड 34 छक्कों का था। अहलावत ने सभी को पीछे छोड़ दिया। मोहित की इस पारी से मावी इलेवन ने दो विकेट पर 416 रन बनाये। यह किसी भी ट्वेंटी20 मैच में एक रिकॉर्ड है। मावी इलेवन की ओर से पारी की शुरुआत करने उतरे मोहित अहलावत ने इस मैच में 234 रन बनाये। मोहित के तिहरे शतक की सहायता से मावी इलेवन ने 20 ओवरो में 416 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करने उतरी फ्रेंड्स इलेवन 216 रन से हार गयी। इससे पहले ट्वेंटी20 में सबसे बड़ा टीम स्कोर 263/5 था जो रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने 2013 आईपीएल में सहारा पुणे वॉरियर्स के खिलाफ बनाया था। वहीं एक बल्लेबाज का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर 175 रन जो क्रिस गेल ने बनाया था। मोहित दिल्ली की तरफ से खेलते हैं।

ऋषभ पंत ने टेस्ट क्रिकेट को ऐसे अपनाया जैसे 'बत्तख पानी पर तैरती' है : राहुल द्रविड़

मुंबई (एजेंसी) पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का मानना है कि भारतीय क्रिकेट टीम में महेंद्र सिंह धोनी के संन्यास से पैदा हुई कमी को ऋषभ पंत ने तुरंत भर दिया जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट को ऐसे अपनाया जैसे 'बत्तख पानी पर तैरती' है। दिसंबर 2022 में कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज पंत ने गाबा में चौथे टेस्ट में 89 रन की मैच विजयी पारी खेली और श्रृंखला में 274 रन बनाकर 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत की 2-1 की जीत में अहम भूमिका निभाई।

द्रविड़ ने कहा, 'धोनी के जाने के बाद आपको लगा होगा कि शायद किसी को भी उसकी जगह लेने में समय लगेगा। मैं यह नहीं कह रहा कि उसने उनकी जगह ले ली है लेकिन निश्चित रूप से टेस्ट क्रिकेट में उसका प्रदर्शन शानदार रहा है, अविश्वसनीय प्रदर्शन।' भारत के पूर्व कप्तान और कोच ने कहा, 'पंत को गाबा में उस टेस्ट मैच को जीतने के लिए 89 रन बनाते हुए देखना, जब सब कुछ दांव पर लगा हुआ था और टीम इतनी कमजोर थी, उस तरह के दबाव में उस तरह का प्रदर्शन करना - बेहद शानदार... वह कितने विशेष क्रिकेटर हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को पानी में बत्तख की तरह अपनाया है। यह बस अभूतपूर्व है।'

उस दौरे पर पंत ने पांच पारियों में दो अर्धशतक की मदद से 68.50 की औसत से रन बनाए और भारत ऑस्ट्रेलिया में लगातार दो टेस्ट श्रृंखला जीतने वाली पहली एशियाई टीम बनी। भारत ने पर्थ में पहला टेस्ट 295 रन से जीतकर मौजूदा टेस्ट श्रृंखला में भी 1-0 की बढ़त बना ली है। भारत ने पिछले कुछ समय में ऑस्ट्रेलिया पर दबदबा बनाया है लेकिन 2003 में एडीलेड में द्रविड़ की 233 रन की पारी प्रशंसकों की पसंदीदा है। इस पारी के संदर्भ में द्रविड़ ने स्वीकार किया कि उन्हें अब भी श्रृंखला नहीं जीत पाने का मलाल है।

द्रविड़ ने कहा, 'मुझे लगता है कि भारत ने ऑस्ट्रेलिया में पिछली दो श्रृंखला में जिस तरह का प्रदर्शन किया है - वहां श्रृंखला जीतना बहुत मायने रखता है। मेरा या भारत का प्रदर्शन चाहे कितना भी शानदार रहा हो, हम श्रृंखला नहीं जीत पाए। हम करीब पहुंच गए थे लेकिन सिडनी में अंतिम दिन हमें वो विकेट नहीं मिल पाए जिनकी हमें जरूरत थी।' इस 51 वर्षीय खिलाड़ी ने उस घटना को याद किया जिसमें उन्होंने गलती से अपने कप्तान सौरव गांगुली को रन आउट कर दिया था। द्रविड़ ने स्वीकार किया कि यह 'गलती' उनकी थी। उन्होंने कहा, 'मैं सोच रहा था कि मैंने कप्तान को रन आउट करवा दिया है। मुझे कुछ सार्थक करना चाहिए। सौरव को रन आउट करवाना पूरी तरह से मेरी गलती थी। मैं इसे स्वीकार करता हूं - यह मेरी गलती थी।' द्रविड़ ने कहा, 'लेकिन मुझे लगता है

कि आप सिर्फ बल्लेबाजी करने की कोशिश कर रहे हैं, आप सिर्फ साझेदारी बनाने की कोशिश कर रहे हैं, आप सिर्फ लक्ष्य तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।'

समाचार गेट
TITLE CODE : HARHIN11569

स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहमदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

मोहनलाल की एल 2- एमपुरान की शूटिंग पूरी

मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म एल 2ः एमपुरान साल 2025 में आने वाली है। की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। हाल ही में, दिग्गज अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर घोषणा की कि टीम ने फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। एल 2ः एमपुरान के आखिरी शॉट मलमपुझा जलाशय के किनारे शूट किया गया था।

एक्स अकाउंट पर किया व्यक्त

साउथ अभिनेता मोहनलाल ने अपने एक्स अकाउंट पर फिल्म से जुड़ी 14 महीनों की अपनी इस यात्रा को दिखाया है।
इस फिल्म की शूटिंग आठ राज्यों और 4 देशों में हुआ है। इस बात को खुद मोहनलाल ने ही बताया है।

मोहनलाल ने लिखी ये बात

मोहनलाल ने लिखा, यह एल 2ः एम्पुरान का समापन है! 8 राज्यों और 4 देशों, जिनमें यूके, यूएसए और यूएई शामिल हैं, में 14 महीने की एक अविश्वसनीय यात्रा। इस फिल्म का जादू पृथ्वीराज सुकुमारन के शानदार निर्देशन के कारण है, जिनकी रचनात्मकता हर फ्रेम को ऊपर उठाती है।

टीम को किया धन्यवाद

मोहनलाल ने लिखा,यह सब समर्पित कलाकारों और क्रू के बिना संभव नहीं होता, जिन्होंने इस कहानी को जीवंत किया। एल 2ः एम्पुरान एक कलाकार के रूप में मेरी यात्रा का एक उल्लेखनीय अध्याय रहा है, जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा।

मार्च में रिलीज होगी फिल्म

एल 2ः एम्पुरान फिल्म ग्लोबली अगले साल 27 मार्च 2025 में रिलीज होने वाली है। फिल्म को देखने के लिए मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन के प्रशंसक उत्साहित हैं। इस फिल्म में मुरली गोपी भी नजर आने वाले हैं। फिल्म मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी भाषा में रिलीज होने वाली है।

मैं पैपराजी को फोन करके नहीं बुलाती, सोशल मीडिया पर पॉपुलर होने का तरीका बताया

किरदारों में खुद को पूरी तरह से ढाल लेने वाले कलाकारों में से एक अभिनेत्री पत्रलेखा भी है। वह कई फिल्मों में बेहतरीन किरदार निभा चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने अपने करियर और सोशल मीडिया पर कैसे पॉपुलर हुआ जा सकता है, इस बारे में एक इंटरव्यू में बात की। पत्रलेखा को अकसर ही जिम के बाहर पैपराजी घेर लेते हैं और उनकी तस्वीरें भी लेती हैं। उनकी जिम फोटोज हमेशा ही शानदार आती हैं। हाल ही में दिए गए इंटरव्यू में पत्रलेखा ने पैपराजी के बारे में कहा कि वह लोग काफी अच्छे होते हैं, अगर मैं उन्हें कहूं कि आज अच्छा गेटअप नहीं है और फोटो मत लो तो वह मेरी बात मान लेते हैं। इस पर इंटरव्यू ले रहे व्यक्ति ने पूछा कि क्या आप पैपराजी को खुद बुलाती हैं। इस पर पत्रलेखा ने कहा बिल्कुल नहीं, मैं ऐसा नहीं करती हूं। इसके जवाब में इंटरव्यू लेने वाला शख्स दोबारा कहता है कि कुछ एक्टर तो पैपराजी को फोन करके बुलाते हैं। इसी बात पर पत्रलेखा भी हामी भरती हैं।

सोशल मीडिया पर रियल रहना चाहिए

इसी इंटरव्यू में उनसे सवाल किया जाता है कि वह अपनी बहुत सी सेल्फी खींच कर सोशल मीडिया पर डालती हैं। उनको इस पर खूब लाइक्स भी मिलते हैं। क्या सोशल मीडिया पर कुछ भी शेयर करने से पहले वह सोच-विचार करती हैं। पत्रलेखा इस सवाल के जवाब में कहती हैं, 'ऐसा नहीं है। मुझे अपनी जो फोटो अच्छी लगती है, सही लगती है, वह मैं शेयर कर देती हूं। मैं अपने मन की सुनती हूं, अपने मन की करती हूं।' पत्रलेखा सोशल मीडिया पर खुद को रियल रखती हैं, शायद इसी वजह से उनके फॉलोअर बढ़ते जाते हैं।

राजकुमार से मिलती है फिल्में देखने की सलाह

पत्रलेखा यह भी बताती हैं कि जब राजकुमार राव घर पर होते हैं तो उन्हें कोई फिल्म या शो देखने का सजेशन देते हैं। इसी तरह से वह भी राजकुमार राव को अच्छी फिल्में सजेस्ट करती हैं। दोनों कम समय साथ में बीता पाते हैं लेकिन जब भी साथ होते हैं तो मनपसंद खाना खाते हैं।

नेटफ्लिक्स प्रोजेक्ट में इमरान खान के अपोजिट नजर आएंगी भूमि पेडनेकर

अभिनेता इमरान खान साल 2015 से सिल्वर स्क्रीन से गायब हैं। हालांकि, खबरें हैं कि वो अब एक नए नेटफ्लिक्स प्रोजेक्ट के साथ वापसी करने वाले हैं। यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी होगी, जिसका निर्देशन दानिश असलम करेंगे। दानिश ने इमरान की फिल्म ब्रेक के बाद का भी निर्देशन किया था। वहीं, इस नेटफ्लिक्स प्रोजेक्ट में नजर आने वालीं अभिनेत्री को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। एक नाम भी सामने आया है।

इमरान के अपोजिट नजर आएंगी भूमि

कथित तौर पर अभिनेत्री भूमि पेडनेकर इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में इमरान खान के अपोजिट नजर आएंगी। हालांकि, अभिनेत्री ने अभी तक कॉन्ट्रैक्ट पर साइन नहीं किया है। अगर वह फिल्म का हिस्सा बनती हैं तो यह भक्षक और आगामी द रॉयल्स के बाद नेटफ्लिक्स इंडिया के साथ उनका तीसरा सहयोग होगा।

मार्च 2025 में शुरू होगी शूटिंग!

फिल्म की स्क्रिप्ट फिलहाल अपने अंतिम चरण में है, जिसका मसौदा अगले महीने पूरा होने की उम्मीद है। इसके तुरंत बाद प्री-प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा और टीम की योजना मार्च 2025 में शूटिंग शुरू करने की है। इमरान के फैंस उनकी स्क्रीन पर वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

ट्रोलिंग करने वालों के मजे लेती हूं

टीवी पर दुल्हन बनू मैं तेरी से रातों-रात लोकप्रिय होने वाली दिव्यांका त्रिपाठी ने छोटे पर्दे पर एक अरसा बिताने वाली ये अभिनेत्री नच बलिये और फियर फैक्टर ऋखतरों के खिलाड़ी जैसे रिएलिटी शोज में भी अपना जलवा दिखा चुकी हैं। इन दिनों वे वेब सीरीज द मैजिक ऑफ शीरी में दिखाई दे रही हैं। उनसे एक बातचीत। अपनी सीरीज के बारे में वे कहती हैं, ये कहानी सिर्फ एक औरत के अधूरे सपनों को पूरा करने की नहीं है बल्कि बुजुर्गों की कहानी भी है कि वे कैसे इफेक्ट हो रहे हैं? बच्चों पर क्या असर पड़ता है? जब एक औरत असंतुष्ट रहती है? वहीं सलीम बने जावेद जाफरी की अपनी कहानी है, जो बताती है कि जादूगर बनने के लिए उन्होंने क्या-क्या बलिदान दिए। मैं इसमें जादूगर बनने का सपना पूरा करती हूं और उसके लिए मेरे किरदार शीरी को किस तरह की कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है, यही हमारी वेब सीरीज है।
ट्रोल्स के बारे में वे हंसते हुए कहती हैं, हम जो सामाज हैं, उसी का तो प्रतिबिंब है सोशल मीडिया। अब उन्हें पता है कि उनके पास एक पर्दा है उस पर्दे की आड़ में वे अपनी कुटिल सोच को सामने लाते हैं। तो हम किसी एक ट्रोलर्स या बंदे को ब्लेम नहीं कर सकते, हमारी सोसायटी की सोच ही ऐसी है। हमें उसके बारे में सोचना चाहिए। एक जमाने में हमारे घरों में चुगलखोर आंटियां हुआ करती थीं। ये ट्रोलिंग करने वाले वही तो हैं चुगलीखोर। मेरे फैंस भी इस बात के बहुत मजे लेते हैं। मैंने ट्रोल्स करने वालों के नाम रख दिए हैं आंटी और चाची, तो जब वे ट्रोलिंग करते हैं, तो मैं पूछ बैठती हूं, अरे आंटी आप दोबारा आ गईं। एक जीजाजी (ट्रोल्स) हैं, जो हमेशा रूठे रहते हैं। मेरा मानना है कि जब आप इनका कुछ नहीं बिगाड़ सकते, तो फिर मजे ले लो।

ऋतिक रोशन-एनटीआर की वॉर 2 से जुड़े तीन एक्शन निर्देशक, हॉलीवुड की फिल्मों के लिए भी कर चुके हैं काम

बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म वॉर 2 को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। अब खबर आ रही है कि फिल्म से तीन एक्शन निर्देशक को जोड़ा गया है, जिनमें हॉलीवुड की वेनम और एवेंजर्स एज ऑफ अल्ट्रॉन जैसी फिल्मों के लिए काम कर चुके निर्देशक शामिल हैं।
ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी जैसे सितारों से सजी वॉर 2 बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म को मशहूर निर्देशक अयान मुखर्जी निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म ने घोषणा के बाद से ही दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर लिया है। फिल्म को लेकर फैंस की जबर्दस्त उत्सुकता को देखते हुए निर्माता इसमें किसी तरह की कोई कमी नहीं छोड़ना चाहते हैं। इस वजह से फिल्म के निर्माताओं ने इसके क्लाइमैक्स को शानदार सिनेमाई अनुभव बनाने के लिए हॉलीवुड के एक्शन निर्देशकों को फिल्म से जोड़ा है, जिन्होंने वेनम, ऐज ऑफ अल्ट्रॉन, के साथ-साथ जवान और पठान जैसी फिल्मों का एक्शन निर्देशित किया है।

वॉर 2 से जुड़े हॉलीवुड फिल्मों के एक्शन निर्देशक

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके शानदार एक्शन सीक्वेंस के लिए तीन मशहूर एक्शन निर्देशकों को फिल्म से जोड़ा गया है, जिनमें अमेरिकी स्टंट कोर्डिनेटर स्पाइरो रजाटोस, सी योंग ओह, और सुनील रोड्रिग्स हैं। स्पाइरो रजाटोस ने इससे पहले वेनम और द फेट ऑफ द फ्यूरियस जैसी फिल्मों का एक्शन निर्देशन किया है। वहीं, एवेंजर्स एज ऑफ अल्ट्रॉन में सी योंग ओह तथा जवान और पठान में सुनील रोड्रिग्स ने काम किया है। बताया जा रहा है कि यह तिकड़ी एक शानदार और स्टाइलिश फाइट सीक्वेंस तैयार कर रही है, जो दर्शकों को लिए एक बेहद शानदार अनुभव होने वाला है।

दमदार होगा फिल्म का क्लाइमेक्स

फिल्म को एक शानदार अनुभव बनाने के निर्माताओं द्वारा काफी सारी चीजें की जा रही हैं, जिसके तहत फिल्म के क्लाइमेक्स में दर्शकों को सांस रोक देने वाला एक्शन सीक्वेंस दिखाया जाएगा। मिड-डे की एक रिपोर्ट के अनुसार, ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर दिसंबर के मध्य में मुंबई में हाई-ऑक्टेन क्लाइमेक्स सीन की शूटिंग करेंगे, जिसे 15 दिनों के शेड्यूल में पूरा किया जाएगा। दोनों कलाकार गोरेगांव में फिल्म सिटी और अंधेरी के वाईआरएफ स्टूडियो में इसकी शूटिंग करेंगे। बताया जा रहा है कि निर्माता आदित्य चोपड़ा और निर्देशक अयान मुखर्जी व्यक्तिगत रूप से सेट डिजाइन और जटिल एक्शन कोरियोग्राफी की देखरेख कर रहे हैं।

अगले साल स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज होगी वॉर 2

बताते चलें कि यशराज फिल्म्स की वॉर 2 अगले साल 2025 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को आदित्या चोपड़ा द्वारा बनाया जा रहा है, जबकि अयान मुखर्जी इसका निर्देशन कर रहे हैं। फिल्म से जूनियर एनटीआर अपना बॉलीवुड डेब्यू करेंगे, जो बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन के साथ दमदार एक्शन करते दिखाई देंगे।

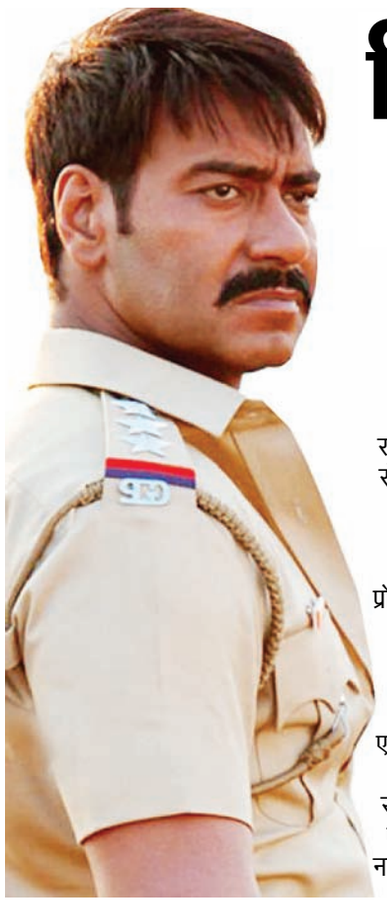

सिल्वर स्क्रीन पर आमने सामने होंगे अजय और ऋतिक

2020 में तान्हाजी- द अनसंग वॉरियर की सफलता के बाद, अभिनेता-निर्माता अजय देवगन अनसंग वॉरियर्स फ्रेंचाइजी में दूसरी किस्त की योजना बना रहे हैं। जानकारी के अनुसार, अजय देवगन और निर्देशक ओम राउत महीनों से इस परियोजना पर चर्चा कर रहे हैं। दोनों को शुरू में 17वीं सदी के मराठा सेना के जनरल बाजी प्रभु देशपांडे की कहानी बताने में रुचि थी। हालांकि, इसी विषय पर आधारित मराठी फिल्म पवनखिंड (2022) की रिलीज के बाद योजनाएं बदल गईं। प्रोजेक्ट पर आया नया अपडेट यकीनन उत्साह बढ़ाने वाला है।

अजय देवगन-ओम राउत के बीच चल रही चर्चा!

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अजय देवगन और ओम राउत दो विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। वे या तो एक ही कहानी को बड़े पैमाने पर बताएं, या मराठा साम्राज्य से किसी अन्य नायक को चुनें। बातचीत अभी शुरुआती चरण में है। उन्होंने बाजी प्रभु की बायोपिक बनाने के विचार को पूरी तरह से खत्म नहीं किया है, क्योंकि उस मोर्चे पर काफी शोध और योजना बनाई गई थी।

ऋतिक रोशन होंगे खलनायक!

विशेष रूप से, तान्हाजी में अजय देवगन ने तान्हाजी मालुसरे की भूमिका निभाई और अपने प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। अगला भाग अनसंग वॉरियर्स फ्रेंचाइजी की दूसरी किस्त मालूम होती है। अजय देवगन फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगे और वह इसमें खलनायक के रूप में ऋतिक रोशन को साइन करना चाहते हैं। अजय वर्सेज ऋतिक की खबर ने बढ़ाया बज जानकारी के अनुसार, अजय को लगता है कि ऋतिक के पास जबरदस्त स्क्रीन उपस्थिति और करिश्माई ताकत है। वह स्क्रीन पर एक बेहतरीन प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरेंगे। अगर यह सहयोग होता है, तो यह दो बॉलीवुड सुपरस्टारों का पहला ऑन-स्क्रीन मिलन होगा। सीक्वल में शरद केलकर छत्रपति शिवाजी महाराज की अपनी भूमिका को दोहरा सकते हैं। हालांकि, देवगन या राउत ने अभी तक कलाकारों और कहानी के बारे में आधिकारिक घोषणा नहीं की है। काम के मोर्चे पर पेशेवर मोर्चे पर, अजय देवगन को हाल ही में सिंघम अगेन में देखा गया था। आने वाले दिनों में अभिनेता सन ऑफ सरदार 2 और दे दे प्यार दे 2 में नजर आएंगे। इस बीच, ऋतिक रोशन वॉर 2 में कबीर के रूप में अपनी वापसी के लिए तैयारी कर रहे हैं, जहां वह जूनियर एनटीआर के साथ स्क्रीन साझा करेंगे। वॉर 2, वॉर (2019) की बड़ी सफलता के बाद उसका बहुप्रतीक्षित सीक्वल है।

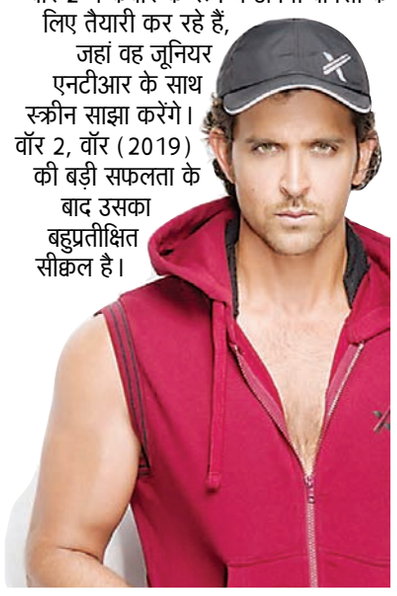

4 दिसंबर को रिलीज किया जाएगा वरुण की फिल्म बेबी जॉन का ट्रेलर

वरुण धवन इन दिनों अपनी वेब सीरीज व सिटाडेल हनी बनी की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। अब वे अपनी अगली फिल्म बेबी जॉन की तैयारी में जुटे हुए हैं। यह फिल्म इस साल क्रिसमस पर रिलीज हो रही है। इसी बीच ट्रेलर रिलीज की तारीख पर बड़ा अपडेट सामने आया है। फिल्म का ट्रेलर 4 दिसंबर को रिलीज किया जाएगा। ट्रेलर को एक भव्य कार्यक्रम में लॉन्च करने की खबरें हैं, जिसमें फिल्म की टीम भी शामिल होगी। एटली द्वारा निर्मित बेबी जॉन में कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी, सान्या मल्होत्रा, जैकी श्रॉफ और राजपाल यादव सहित कई मजबूत कलाकार हैं। सिटाडेलः हनी बनी में वरुण के प्रदर्शन की प्रशंसा की गई और दर्शकों को उम्मीद है कि वह बेबी जॉन में एक और मजबूत एक्शन भूमिका देंगे। बेबी जॉन एटली की 2016 की तमिल फिल्म थेरी की रीमेक है। फिल्म में सलमान खान का कैमियो भी होगा। इसका निर्देशन ए. कालीस्वरन ने किया है और इसे जियो स्टूडियोज, एटली ने ए फॉर एप्पल स्टूडियोज और सिने 1 स्टूडियोज के साथ मिलकर बनाया है।